दैनिक बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

एक विश्वास...

फिल्म द केरल स्टोरी 2 ...8

बलरामपुर
शनिवार, 07 फरवरी 2026
वर्ष: 05 अंक : 126 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

9415163471, 9453824459 Dainik Budh ka sandesh @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

परीक्षा पे चर्चा 2026: सलाह सबकी सुनें, पर भरोसा खुद पर रखें, पीएम मोदी ने छात्रों को दिया सफलता का मूल मंत्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को अपने आवास 7, लोक कल्याण मार्ग पर परीक्षा पे चर्चा के नौवें संस्करण के दौरान देश भर के छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों से सीधा संवाद किया। इस बार पीएम का जोर केवल परीक्षा में अंक लाने पर नहीं, बल्कि श्मेक इन इंडियाश की भावना को अपनाने और जीवन के सर्वांगीण विकास पर रहा।

परीक्षा पे चर्चा 2026: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को मेक इन इंडिया और एक भारत श्रेष्ठ भारत पर जोर दिया, साथ ही छात्रों को अपनी पढ़ाई और हॉबीज के बीच संतुलन बनाने की सलाह दी। उन्होंने नई दिल्ली में अपने 7, लोक कल्याण मार्ग आवास पर परीक्षा पे चर्चा के नौवें एडिशन के दौरान छात्रों से बातचीत की। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि छात्रों को सभी की सलाह सुननी चाहिए, लेकिन उन्हें हमेशा अपने तरीके से काम करना चाहिए और खुद पर भरोसा रखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भले ही वह प्रधानमंत्री बन गए हैं, फिर भी लोग उन्हें सलाह देते रहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने काम करने के तरीके में कुछ बदलाव किए हैं, लेकिन अपना मूल तरीका नहीं छोड़ा है। पीएम मोदी ने यह भी कहा कि परीक्षा का एकमात्र लक्ष्य सफलता हासिल करना नहीं होना चाहिए और ध्यान सर्वांगीण विकास पर होना चाहिए।

उन्होंने कहा, श्आपके माता–पिता, या शिक्षक, या दोस्त कुछ भी कहें, आप सभी सुझावों को ध्यान में रखते हुए अपने तरीके पर विश्वास रखें और उसका पालन करें।श श्मैं बीते हुए कल को नहीं देखता, मैं हमेशा आने वाले कल को देखता हूं.. कई बार शिक्षक सिर्फ वही पढ़ाते हैं जो महत्वपूर्ण होता है और जिससे आपको अच्छे नंबर मिल सकें, लेकिन एक अच्छा शिक्षक सर्वांगीण विकास पर ध्यान देता है और सब कुछ सिखाता है।श उन्होंने कहा, आपको गेमिंग में दिलचस्पी है, लेकिन सिर्फ इसलिए समय बिताने के लिए इसमें शामिल न हों क्योंकि भारत में डेटा सस्ता है। मजे के लिए ऐसा न करें। जो लोग पैसे के लिए गेमिंग करते हैं, वे बर्बाद हो जाएंगे। हमें देश में जुए को बढ़ावा नहीं देना है। मैंने ऑनलाइन जुए के खिलाफ कानून बनाया है। परीक्षा पे चर्चा 2026: इस साल परीक्षा पे चर्चा का नौवां एडिशन आयोजित किया गया – जो पहली बार 2018 में हुआ था – जिसे संसद के बाल योगी ऑडिटोरियम में भी दिखाया गया।

पीएम मोदी का एआई पर जोर

छात्रों के साथ बातचीत के दौरान, पीएम मोदी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, के महत्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि छात्रों को एआई का इस्तेमाल करना चाहिए, लेकिन यह हमेशा उनके लक्ष्य हासिल करने में मदद नहीं करेगा। जब एक छात्र ने उन्हें बताया कि वह गेम डेवलपर बनना चाहता है, तो पीएम मोदी ने कहा कि गेमिंग एक स्किल है, लेकिन गेमिंग को बढ़ावा नहीं देना चाहिए। हालांकि, उन्होंने कहा कि गेमिंग एक स्किल है और इसका इस्तेमाल सतर्कता जांचने और आत्म–विकास के लिए किया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने छात्रों को यह भी सलाह दी कि वे अपना समय बर्बाद न करें क्योंकि भारत में इंटरनेट सस्ता हो गया है, और बताया कि उनकी सरकार ने सट्टेबाजी के खिलाफ कानून बनाया है।

इस्लामाबाद में हाई अलर्ट के बीच आतंकी हमला

69 की मौत, 169 घायल

शुक्रवार को इस्लामाबाद के शहजाद टाउन इलाके में स्थित तरलाई इमामबाड़ा में एक विस्फोट हुआ, जिसमें कम से कम 69 लोग मारे गए और 169 अन्य घायल हो गए। यह घटना शुक्रवार की नमाज के लिए नमाजियों के इकट्ठा होने के दौरान हुई। प्रारंभिक जांच के बाद अधिकारियों ने इसे आत्मघाती बम हमला बताया है। इमामबाड़ा वह स्थान है जहां शिया मुसलमान कर्बला त्रासदी की याद में शोक मनाने के लिए इकट्ठा होते हैं। घायलों को इलाज के लिए पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (पीआईएमएस) और पॉलीक्लिनिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। बचाव अभियान जारी है और सुरक्षा बल मौके पर पहुंच चुके हैं। किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। वहीं, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने विस्फोट की कड़ी निंदा की है। उनके कार्यालय ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री ने विस्फोट पर गहरा दुख व्यक्त किया है और इसकी कड़ी निंदा की है। इस्लामाबाद में आत्मघाती बम हमला ऐसे समय हुआ है जब पाकिस्तानी सेना ने अपने बलूचिस्तान प्रांत में रद–उल–फितना–1 नाम से एक बड़ा अभियान चलाया है।

सुप्रीम कोर्ट से पीके की जन सूरज को फटकार, हार के बाद लोकप्रियता के लिए कोर्ट न आएं

पटना। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने जन सूरज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि चुनाव हारने के बाद उम्मीदवारों को अदालतों का रुख नहीं करना चाहिए। बेंच ने टिप्पणी की कि मतदाताओं द्वारा नकारे गए उम्मीदवारों को लोकप्रियता हासिल करने के लिए न्यायपालिका का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की बेंच ने बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से संबंधित किशोर की याचिका पर सुनवाई करते हुए ये तीखी टिप्पणियां कीं। किशोर ने सुप्रीम कोर्ट में आरोप लगाया था कि महिला रोजगार योजना की धनराशि मतदान से ठीक पहले लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित की गई थी, जिससे उनके अनुसार चुनाव परिणाम प्रभावित हुए थे। हालांकि, चुनाव आयोग ने उनकी याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया था, जिसके बाद किशोर ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया। पार्टी द्वारा दायर याचिका में आरोप लगाया गया है कि नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली तत्कालीन बिहार सरकार ने चुनाव तिथियां तय होने के बाद 10,000 रुपये के प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण की घोषणा से पहले जानबूझकर श्मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजनाश में अतिरिक्त लाभार्थियों को जोड़ा। पार्टी का दावा है कि यह स्वयं में मतदाताओं को अनुचित रूप से लुभाने और प्रभावित करने के लिए अपनाई गई भ्रष्ट कार्यप्रणाली का स्पष्ट प्रमाण है, ताकि वे सत्ताधारी सरकार के पक्ष में मतदान करें।

पार्टी ने आरोप लगाया है कि इस योजना के लिए कानून पारित करने के बजाय बिहार के आकस्मिक निधि का उपयोग करना संविधान के अनुच्छेद 267 का उल्लंघन है। जन सूरज की याचिका में कहा गया है कि यह अत्यंत विनम्रतापूर्वक निवेदन है कि संदर्भित योजना को चुनाव की पूर्व संध्या पर मंत्रिमंडल के निर्णय द्वारा बिना किसी विधायी स्वीकृति के लागू किया गया था और याचिकाकर्ता की जानकारी के अनुसार, इस योजना का बजट बिहार राज्य की आकस्मिक निधि से लिया गया था। अत:, उक्त योजना नियमित बजटीय आवंटन का हिस्सा नहीं थी, बल्कि राज्य की आकस्मिक निधि से ली गई थी, जो भारत के संविधान के अनुच्छेद 267 का उल्लंघन है। विधानसभा चुनावों में, सत्तारूढ़ एनडीए को 243 सदस्यीय सदन में तीन–चौथाई बहुमत के साथ 202 सीटें मिलीं।

जालंधर में सरेआम आप नेता की हत्या, गुरुद्वारे के बाहर बदमाशों ने बरसाई गोलियां

जालंधर ,06 फरवरी (आरएनएस)। जालंधर में आज सुबह अपराधियों ने एक बड़ी वारदात को अंजाम दिया जिसमें आप नेता व पार्षद का चुनाव लड़ चुके लक्की ओबरॉय का गोलियां मार कर कत्ल कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक मॉडल टाउन गुरुद्वारा के बाहर आप नेता पर गोलिया चलाई गईं ।बताया जा रहा है कि आप नेता लक्की ओबरॉय सुबह 8रू15 बजे रोजाना की तरह गुरुद्वारा में माथा टेकने के लिए आए हुए थे। इस दौरान गुरुद्वारा साहिब के बाहर उन पर हमलावर द्वारा ताबड़तोड़ गोलियां चलाई गईं।

गोलियां लगने से बाद वह गंभीर रूप से घायल हो गए, इसके बाद उन्हें उपचार के लिए निजी अस्पताल में ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने हालत गंभीर होने के कारण दूसरे अस्पताल में रेफर कर दिया, लेकिन इस दौरान उनकी मौत हो गई।

मुंबई का अगला मेयर कौन?

बीजेपी आज खोलेगी पत्ते, रेस में तीन महिला पार्षद

मुंबई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शनिवार को बृहन्मुंबई नगर निगम (बीएमसी) के महापौर पद के उम्मीदवार की घोषणा कर सकती है। शुक्रवार को सूत्रों ने बताया कि यह घोषणा सुबह करीब 9 बजे बीएमसी मुख्यालय में भाजपा पार्षदों की बैठक के बाद होने की संभावना है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा की मुंबई इकाई के प्रमुख अमित भास्कर सतम द्वारा घोषणा किए जाने के बाद भगवा पार्टी के पार्षद सुबह करीब 10 बजे अपने आवेदन दाखिल करेंगे। गौरतलब है कि महापौर पद के लिए चुनाव 11 फरवरी (बुधवार) को दोपहर 12 बजे बीएमसी मुख्यालय में होगा। उप महापौर पद के लिए भी चुनाव उसी दिन होगा। भाजपा और शिवसेना के बीच हुए सत्ता–साझाकरण समझौते के अनुसार, उप महापौर का पद उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के गुट को दिया जाएगा। महापौर पद की दौड़ में सबसे आगे चल रही उम्मीदवार राजश्री शिरवाडकर हैं, जो भाजपा की तीन बार की पार्षद रह चुकी हैं।

गौरतलब है कि उनके पति राजेश शिरवाडकर वर्तमान में भाजपा की मुंबई इकाई के महासचिव हैं। महापौर पद की दौड़ में एक और नाम ऋतु तावड़े का है, जो घाटकोपर से तीन बार की पार्षद हैं। वहीं, पूर्व विधायक सुरेश गंभीर की बेटी शीतल गंभीर भी प्रमुख उम्मीदवारों में शामिल हैं। गंभीर माहिम क्षेत्र से दो बार की पार्षद रह चुकी हैं। बीएमसी समेत सभी नगर निगमों के लिए मतदान 15 जनवरी को हुआ और नतीजे 16 जनवरी को घोषित किए गए। भाजपा–शिव सेना गठबंधन ने 227 सदस्यीय बीएमसी में से 118 सीटें जीतीं, जो बहुमत के आंकड़े से चार अधिक हैं।

मोदी के भाषण पर राहुल का पलटवार, बोले– जो उचित समझो वही करो

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को राज्यसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण पर निशाना साधते हुए कहा कि जो उचित समझो वही करो। विपक्षी सांसदों ने संसद के मकर द्वार पर सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया और श्जो उचित समझो वही करोश के नारे लगाते हुए तख्तियां दिखाईं जिन पर धोखाधड़ी लिखा था। इस बीच, भारी नारेबाजी और विरोध प्रदर्शन के बीच लोकसभा को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया और यह 9 फरवरी को सुबह 11रू00 बजे फिर से शुरू होगी। एक दिन पहले, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला करते हुए भाजपा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ विवादास्पद गद्दार टिप्पणी को लेकर पार्टी के युवराज पर निशाना साधा और इसे सिख समुदाय का अपमान और कांग्रेस के अहंकार की पराकाष्ठा बताया। उच्च सदन में बहस के दौरान बोलते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से जुड़ी घटना का जिक्र किया, जिन्होंने 2024 के लोकसभा चुनावों से पहले कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए रवनीत बिट्टू को संसद के बाहर श्गद्दारश कहा था। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कल जो हुआ – कांग्रेस के श्युवराजश, जिनका श्शातिर दिमागश है, ने सदन के एक सदस्य को गद्दार कहा। उनका अहंकार चरम पर है। उन्होंने कांग्रेस छोड़ने वाले अन्य लोगों को गद्दार नहीं कहा, लेकिन इस सांसद को सिर्फ इसलिए गद्दार कहा क्योंकि वह सिख है। यह सिखों का अपमान है, गुरुओं का अपमान है। यह कांग्रेस की नफरत को दर्शाता है। बुधवार को संसद के मकर द्वार के पास राहुल गांधी और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच हुई कहासुनी के बाद यह विवाद शुरू हुआ।

मुख्यमंत्री योगी का हरिद्वार से बड़ा बयान– यूपी में न दंगे, न कर्फ्यू Economy में बना मिसाल

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को हरिद्वार में सप्त सरोवर रोड स्थित भारत माता मंदिर के पास सप्तऋषि आश्रम मैदान में आयोजित संत सम्मेलन में भाग लेते हुए कहा कि हाल के वर्षों में राज्य ने काफी सुधार किया है, अब राज्य में कोई दंगा या कर्फ्यू नहीं है, और यह भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि कभी कमजोर राज्य रहा उत्तर प्रदेश आज भारत की अर्थव्यवस्था में एक नई उपलब्धि बन रहा है और प्रगति के नए पथ पर अग्रसर है। न कर्फ्यू है, न दंगे, उत्तर प्रदेश में अब सब कुछ ठीक है। सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम न केवल देश के आध्यात्मिक केंद्र हैं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बिंदु भी हैं। उन्होंने कहा कि बद्रीनाथ धाम और केदारनाथ धाम केवल आध्यात्मिक केंद्र ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना के केंद्र बिंदु भी हैं। राष्ट्र को शक्ति यहीं से मिलती है। हमने इन केंद्र बिंदुओं को सम्मानपूर्वक आगे बढ़ाया है।

जम्मू आते ही सीधे बार्डर पर पहुँचे अमित शाह

खुद लिया सीमा चौकियों का जायजा, बीएसएफ जवानों को सराहा

श्रीनगर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह जम्मू–कश्मीर के दो दिवसीय दौरे की शुरुआत करते हुए आज कठुआ में अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे अग्रिम क्षेत्रों में पहुंचे। गृह मंत्री ने हीरानगर सेक्टर में गुरनाम और बोबियां सीमा चौकियों का दौरा किया और सीमा की रक्षा कर रहे सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों से बातचीत की। कठुआ में गृह मंत्री ने बोबियां में सीमा रक्षकों के लिए छह कल्याणकारी योजनाओं का डिजिटल तरीके से उद्घाटन किया व आधारशिला रखी। हम आपको बता दें कि अमित शाह के लगातार सीमा चौकियों के दौरे को जवानों के बीच बेहद सकारात्मक माना जा रहा है। वह केवल सुरक्षा स्थिति की गहरी समीक्षा ही नहीं करते बल्कि अपने सीधे संवाद से जवानों का हौसला भी बढ़ाते हैं। उनके ऐसे दौरे यह संदेश देते हैं कि देश की सुरक्षा में लगे हर जवान के साथ सरकार मजबूती से खड़ी है और उनके कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। अपने संबोधन में अमित शाह ने खुद भी यह कहा कि वह जवानों से बहुत कुछ प्रेरणा लेकर जाते हैं। हम आपको यह भी बता दें कि अमित शाह ने जम्मू के लोक भवन में एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की और बाद में आतंकवाद से पीड़ित कुछ परिवारों को अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पत्र वितरित किये। अमित शाह का यह दौरा सीमा पर बढ़ायी गयी चौकसी के बीच हो रहा है, जिसका उद्देश्य आतंकवादियों की घुसपैठ और हथियारोंव नशीले पदार्थोंकी तस्करी को रोकना है। साथ ही आतंकवाद रोधी अभियान भी तेज किए गए हैं, जिनमें पिछले दो हफ्तों में कठुआ, उधमपुर और किश्तवार जिलों में लगभग करीब 12 मुठभेड़ों में जैश–ए–मोहम्मद के चार पाकिस्तानी आतंकवादी मारे गए हैं।

राहुल की गद्दार टिप्पणी पर सीएम सैनी का पलटवार, बोले– कांग्रेस के डीएनए में है ये सब

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ की गई टिप्पणी की निंदा करते हुए कांग्रेस से माफी मांगने की मांग की। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस के डीएनए में इन सब का जवाब है। उन्होंने अभी तक 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों से माफी नहीं मांगी है। उनका व्यवहार आज भी उनकी उस समय वाली मानसिकता को उजागर करता है। राहुल और पूरी कांग्रेस को माफी मांगनी चाहिए। यह विवाद तब शुरू हुआ जब राहुल गांधी और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू के बीच संसद के मकर द्वार के पास तीखी बहस हुई। गांधी ने कहा कि देखो, एक गद्दार यहीं से गुजर रहा है। चेहरा देखो, और बाद में जोड़ा कि हेलो भाई, मेरे गद्दार दोस्त। चिंता मत करो, तुम वापस आओगे। बिट्टू ने हाथ मिलाने से इनकार कर दिया और पलटवार करते हुए गांधी को देश का दुश्मन कहा। गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यसभा में कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए भाजपा सांसद रवनीत सिंह बिट्टू के खिलाफ विवादित श्गद्दारश टिप्पणी को लेकर पार्टी के श्युवराजश पर निशाना साधा और इसे सिख समुदाय का अपमान और कांग्रेस के श्अहंकार की पराकाष्ठाश का प्रतिबिंब बताया।

भानपुर में स्व. रघुनाथ सिंह व स्व. राजकुमार चौधरी स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य समापन

गोरखपुर ने सिद्धार्थनगर को 67 रनों से हराकर जीता खिताब, खिलाड़ियों को किया गया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जनपद बस्ती के किसान इंटर कॉलेज भानपुर में समाजसेवी मनोज सिंह के नेतृत्व में आयोजित स्वर्गीय रघुनाथ सिंह एवं स्वर्गीय राजकुमार चौधरी स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट का भव्य एवं सफल समापन उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। कई दिनों से चल रहे इस प्रतिष्ठित क्रिकेट टूर्नामेंट में क्षेत्र की विभिन्न टीमों ने प्रतिभाग कर अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबला गोरखपुर और सिद्धार्थनगर की टीमों के बीच खेला गया, जिसमें गोरखपुर की टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए सिद्धार्थनगर को 67 रनों से पराजित कर खिताब अपने नाम कर लिया। फाइनल मैच में गोरखपुर की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया और निर्धारित ओवरों में मजबूत स्कोर खड़ा किया। टीम के बल्लेबाजों ने संयमित और आक्रामक खेल का परिचय देते हुए विपक्षी टीम के सामने चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी सिद्धार्थनगर की टीम शुरुआत से ही दबाव में नजर आई और नियमित अंतराल पर

विकेट गिरते रहे। गोरखपुर के गेंदबाजों ने सटीक गेंदबाजी करते हुए विपक्षी टीम को लक्ष्य हासिल करने का मौका नहीं दिया। अंततः सिद्धार्थनगर की पूरी टीम निर्धारित लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी और गोरखपुर ने 67 रनों से शानदार जीत दर्ज कर ट्रॉफी अपने नाम कर ली। मैच के दौरान खिलाड़ियों ने अनुशासन, खेल भावना और उत्कृष्ट प्रदर्शन का परिचय दिया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। फाइनल मुकाबला देखने के लिए बड़ी संख्या में खेल प्रेमी मैदान पर मौजूद रहे और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। पुरस्कार वितरण समारोह में मैन ऑफ द सीरीज का खिताब सूरज साहनी को तथा मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार अशरफ को प्रदान किया गया। विजेता गोरखपुर टीम को 1 लाख रुपये नगद पुरस्कार एवं ट्रॉफी प्रदान की गई, जबकि उपविजेता सिद्धार्थनगर टीम को 50 हजार रुपये का नगद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। आयोजक समाजसेवी मनोज सिंह ने सभी खिलाड़ियों को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समापन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने विजेता टीम को पुरस्कार प्रदान किया और खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि खेल युवाओं के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। ऐसे खेल आयोजन ग्रामीण क्षेत्रों में छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं और युवाओं को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज में भाईचारा और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देते हैं। आयोजक समाजसेवी मनोज सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि इस स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के युवाओं को खेल के प्रति प्रेरित करना और उनकी प्रतिभा को मंच प्रदान करना है। उन्होंने कहा कि खेल के माध्यम से युवा न केवल शारीरिक रूप से मजबूत बनते हैं, बल्कि उनमें अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व क्षमता का भी विकास होता है। उन्होंने सफल आयोजन के लिए सभी खिलाड़ियों, आयोजक समिति, दर्शकों और सहयोग करने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। आयोजन समिति में राकेश सिंह, शिवकुमार सिंह, दिलीप सिंह, खालिक अंसारी, छोटू सिंह, बृजेश सिंह, अजय यादव, सोनू सिंह, भोला सिंह, अमित यादव, संतोष यादव, अतुल पाण्डेय, अवधेश पाठक, राजेश निषाद, विक्की सिंह, सैंकी श्रीवास्तव, टुनटुन सिंह एवं रंजय सिंह यादव सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। टूर्नामेंट का समापन उत्साहपूर्ण, शांतिपूर्ण और खेल भावना से ओतप्रोत माहौल में हुआ, जिसमें क्षेत्रीय खेल प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने की मजबूत पहल देखने को मिली।

विद्यालय के पास अवैध मिट्टी खनन, पठन–पाठन में व्यवधान

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। भट्ठे की आड़ में हो रहे अवैध मिट्टी खनन एवं विद्यालय मार्ग से होकर तेज गति से डम्परों के आवागमन पर रोक लगाने के लिए विद्यालय के शिक्षकों सहित अभिभावकों ने डीएम से शिकायत की थी। कोई कार्रवाई न होने पर शिक्षकों ने इसको शिकायत विधायक विनय वर्मा से भी की थी। विधायक विनय वर्मा के निर्देश पर क्षेत्राधिकारी शोहरतगढ़ मयंक द्विवेदी ने भट्ठा संचालक की निर्देश दिया कि विद्यालय पर पठन–पाठन के समय डम्पर सहित बड़े वाहन का अवागगन नहीं होगा। भट्ठा मालिक ने दो सप्ताह बाद जबरन पठन–पाठन के समय डम्पर में मिट्टी भरकर चलवाने लगे, जिससे बच्चों के दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। ग्राम पंचायत महादेव नानकार में प्राथमिक विद्यालय की प्रधानाध्यापक कैसर जहां ने कहा कि विद्यालय के पश्चिम तरफ कुछ दूरी पर एक ईंट भट्ठा है। प्रशासन व पुलिस के मना करने के बावजूद बच्चों के पढ़ने के दौरान भट्ठा संचालक के इशारे पर चालकों द्वारा तेज गति से वाहन से मिट्टी गिराया जा रहा है। शिक्षकों ने कहा कि विद्यालय का चहारदीवारी बनना था। भट्ठा मालिक व विभाग की मिलीभगत से चहारदीवारी के बगल खेत से काफी मिट्टी निकलवा लिए हैं, जिससे खेत काफी गहरा हो गया है। ऐसे में बच्चों के खेलने के दौरान गड्ढे में गिरने की संभावना बनी रहती हैं। ईंट बनाने के लिए मिट्टी भट्ठे पर लाई जाती है। मगर यहां मिट्टी का अवैध खनन कर डम्पर में भरकर कहीं और बेचा जा रहा है। शिक्षकों ने कहा कि वाहन की आवाज से पठन–पाठन में व्यवधान उत्पन्न होता है। चालकों से मना करने पर झगड़ा करने पर उतारू हो जाते हैं और कहते हैं कि बच्चों के कारण हम अपना धन्धा नहीं बन्द कर सकते हैं। वहीं इस सम्बन्ध में उपजिलाधिकारी विवेकानन्द मिश्रा ने कहा कि उक्त बातों की जानकारी नहीं थी, जांच कराई जायेगी। अगर अवैध खनन करते पाये गये तो भट्ठा संचालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी।

पांच दिवसीय मानस द्रवचन के बाद विशाल भंडारा आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। श्री हनुमानगढ़ी मंदिर,वीर विनय चौराहा स्थित परिसर में रामजानकी प्राण प्रतिष्ठा दिवस के पावन अवसर पर आयोजित पांच दिवसीय मानस प्रवचन,रामनाम संकीर्तन एवं सुंदरकांड पाठ का गुरुवार को विधिवत समापन हुआ। समापन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया,जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का शुभारंभ शक्तिपीठ देवीपाटन मंदिर के पीठाधीश्वर महंत योगी मिथिलेश नाथ जी

महाराज द्वारा पूजा–अर्चना कर किया गया। इस अवसर पर उन्होंने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि धर्म तोड़ने का नहीं बल्कि जोड़ने का संदेश देता है। धर्म के माध्यम से ही मनुष्य को अच्छाई और बुराई का ज्ञान होता है। उन्होंने कहा कि समाज को एकजुट रखना हम सबका दायित्व है और अपनी क्षमता के अनुसार पीड़ित व जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए सदैव तत्पर रहना ही सच्ची समाजसेवा है। मंदिर के उत्तराधिकारी महंत महेंद्र दास ने हवन पूजन कर कई दिनों से चल रही श्रीमद्भागवत कथा का समापन कराया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा के श्रवण से भक्तों का मन निर्मल होता है तथा धर्म और अधर्म के बीच अंतर समझ में आता है। कथा और हवन के पश्चात वातावरण भक्तिमय हो उठा। हवन की पूर्णाहुति के बाद शाम चार बजे से विशाल भंडारे का शुभारंभ हुआ। भंडारे में सदर जिलाध्यक्ष रवि मिश्र,विधायक पल्टूराम,उतरौला विधायक राम प्रताप वर्मा,चेयरमैन डॉ.धीरेन्द्र प्रताप सिंह धीरू,ब्लाक प्रमुख राकेश तिवारी,प्रवीण सिंह बिक्की,पंकज सिंह,पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह,जिला मीडिया प्रभारी डीपी सिंह बैस, जिला उपाध्यक्ष बृजेन्द्र तिवारी,पनव शुक्ल सहित अनेक गणमान्य नागरिक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान पूरे क्षेत्र में श्रद्धा,भक्ति और सेवा का वातावरण बना।

बिना अनुमति संचालित पैथोलॉजी, अल्ट्रासाउंड व क्लीनिक बने जनस्वास्थ्य के लिए खतरा

दैनिक बुद्ध का संदेश

उतरौला/बलरामपुर। तहसील क्षेत्र उतरौला में स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और संभावित मिलीभगत के कारण बिना अनुमति और मान्यता के बड़ी संख्या में पैथोलॉजी लैब, अल्ट्रासाउंड सेंटर और क्लीनिक खुलेआम संचालित हो रहे हैं। इन प्रतिष्ठानों में न तो योग्य चिकित्सक हैं, न ही प्रशिक्षित टेक्नीशियन। बावजूद इसके, मरीजों की जांच और इलाज का दावा किया जा रहा है, जिससे जनस्वास्थ्य पर गंभीर संकट मंडरा रहा है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, नगर के मुख्य मार्गों से लेकर ग्रामीण इलाकों तक कई ऐसे केंद्र संचालित हैं, जो बिना किसी विधिक अनुमति या पंजीकरण के कार्य कर रहे हैं। इनमें से कई केंद्र तो गैर–तकनीकी लोगों द्वारा संचालित किए जा रहे हैं, जो चिकित्सा विज्ञान की बुनियादी समझ तक नहीं रखते। इन अवैध प्रतिष्ठानों पर जांच रिपोर्टों में लापरवाही, फर्जी रिपोर्टिंग, अनावश्यक जांच और गलत दवा लिखने जैसी शिकायतें आम हो गई हैं। गरीब व अनजान मरीजों को झूठी जांच रिपोर्टों के आधार पर इलाज के नाम पर ठगा जा रहा है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का आरोप है कि स्वास्थ्य विभाग के कुछ अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से यह पूरा तंत्र वर्षों से फल–फूल रहा है। बताया जा रहा है कि मासिक "सुविधा शुल्क" के नाम पर कई ऐसे सेंटर विभाग की "संरक्षण छाया" में चल रहे हैं। जब भी कोई शिकायत संबंधित अधिकारियों तक पहुंचती है, तो केवल कागजी कार्रवाई कर खानापूर्ति कर दी जाती है। कई बार सीएमओ या एसीएमओ स्तर के अधिकारी भी ऐसे मामलों को गंभीरता से लेने के बजाय औपचारिक जांच तक सीमित रहते हैं। नतीजतन, अवैध रूप से चल रहे इन स्वास्थ्य केंद्रों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाती। जनहित में कई जागरूक नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने जिलाधिकारी बलरामपुर से तत्काल संज्ञान लेने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जिले में संचालित सभी पैथोलॉजी लैब, अल्ट्रासाउंड सेंटर और क्लीनिकों की सूची बनाकर उनकी वैधता की जांच की जानी चाहिए। साथ ही, दोषी संचालकों व मिलीभगत करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए। यदि समय रहते इस पर अंकुश नहीं लगाया गया तो आने वाले दिनों में उतरौला और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जनस्वास्थ्य की स्थिति बेहद गंभीर हो सकती है।

मनरेगा बचाव संग्राम के तहत कलेक्ट्रेट में कांग्रेस का धरना–प्रदर्शन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। मनरेगा बचाव संग्राम के तहत शुक्रवार को मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट परिसर में कांग्रेस पार्टी द्वारा धरना–प्रदर्शन किया

गया। धरना–प्रदर्शन की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष शिवलाल कोरी ने की। इस दौरान केंद्र सरकार द्वारा मनरेगा योजना में किए जा रहे बदलावों का कड़ा विरोध किया गया। जिला अध्यक्ष शिवलाल कोरी ने अपने संबोधन में कहा कि केंद्र की मोदी सरकार मनरेगा जैसी जनकल्याणकारी योजना का नाम बदलने के साथ–साथ उसमें निहित गारंटी रोजगार जैसे कानूनी अधिकार को श्रमिकों से छीनने का प्रयास कर रही है। यह योजना ग्रामीण गरीबों, मजदूरों और वंचित वर्ग के लिए जीवनरेखा है, जिसे कमजोर करना सीधे–सीधे गरीब विरोधी नीति को दर्शाता है। क अध्यक्ष राकेश त्रिपाठी ने कहा कि मनरेगा केवल एक योजना नहीं बल्कि ग्रामीण जनता के लिए रोजगार का अधिकार है। सरकार द्वारा नियमों में बदलाव कर श्रमिकों के अधिकारों को सीमित किया जा रहा है, जिसे कांग्रेस पार्टी किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं करेगी। पूर्व प्रत्याशी उमाशंकर तिवारी ने कहा कि मनरेगा ने ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन के साथ–साथ पलायन रोकने का काम किया है। केंद्र सरकार जानबूझकर इस कानून को कमजोर कर रही है, जिससे मजदूरों को समय पर काम और मजदूरी नहीं मिल पा रही है। पंकज गुप्ता ने कहा कि मनरेगा कानून में की जा रही छेड़छाड़ से करोड़ों श्रमिकों का भविष्य खतरे में है। कांग्रेस पार्टी श्रमिकों के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ेगी। धरना–प्रदर्शन में वरिष्ठ कांग्रेस नेता राम बहादुर दुबे, डॉ. खलीलुल्लाह, विजय कुमार उपाध्याय, भीष्म सिंह, प्रदीप कुमार शर्मा, सुशील कुमार शुक्ला, विश्वनाथ यादव, प्रतीक मिश्रा, अखिलेश मिश्रा, लाल साहब श्रीवास्तव, दिलशाद हुसैन खान, मोहम्मद आसिफ खान सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं श्रमिक मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की गई तथा मनरेगा को पूर्ववत प्रभावी रूप से लागू करने और श्रमिकों को उनका अधिकार दिलाने की मांग की गई।

मुडिला बुजुर्ग व रमवापुर तिवारी गांव में लगाया गया ग्राम चौपाल कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड शोहरतगढ़ अन्तर्गत ग्राम पंचायत मुडिला बुजुर्ग एवं रमवापुर तिवारी में गांव की समस्या गांव में समाधान करने की मंशा को लेकर चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुडिला बुजुर्ग में चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव राम सिंह तो वहीं रमवापुर तिवारी में चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव राम स्वरुप गुप्ता ने किया। चौपाल कार्यक्रम में मुख्य रूप से पेंशन, पीएम आवास, व्यक्तिगत शौचालय, मनरेगा योजना/जी राम जी (विकसित भारत–गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण), रोजगार विषयक विभिन्न जानकारियों समेत केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही ब्लॉक स्तरीय योजनाओं की जानकारी दी गयी। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया। चौपाल कार्यक्रम में आरबीआई बैंक प्रतिनिधि संतोष शुक्ला ने बैंकिंग बीमा सेवा आदि जानकारी के साथ मशरूम की खेती, अगरबत्ती, मोमबत्ती, अचार मसाला पावडर बनाने के गृह उद्योगों की जानकारी दी। चौपाल कार्यक्रम में विभिन्न योजनाओं के सजी राम जी योजना (पूर्व मनरेगा योजना) पर बृहद चर्चा किया गया। इसी क्रम में बाल विकास पुष्टाहार विभाग द्वारा आयोजित गोद भराई रश्म एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम में सचिव राम स्वरुप गुप्ता एवं ग्राम प्रधान समेत विभागीय अधिकारियों ने गांव की मीना चौधरी व गीता देवी की गोद भराई रश्म अदा की तो वहीं गांव के सम्राट पुत्र उमेश तिवारी को अन्नप्राशन कराकर उनके उत्तम स्वास्थ्य को लेकर शुभकामनायें दी, तो वहीं महिला विकास संस्थान से ब्लॉक ऑफिसर अमन शर्मा ने ग्रामीणों को बाल विवाह के मुद्दों पर शपथ ग्रहण करवाकर उन्हें जागरूक किया। इस दौरान मुडिला बुजुर्ग में प्रधान प्रतिनिधि कमलेश दूबे, रोजगार सेवक राम लगन, पंचायत सहायक अंजनी शर्मा, सफाई कर्मचारी तुलसीराम, विश्वनाथ सहानी, सुखपाल शर्मा, रेखा, चौधरी, सुरेखा, चौधरी, दीपेन्द्र कुमार सहित रमवापुर तिवारी गाँव में ग्राम प्रधान सुभाष यादव आदि मौजूद रहे।

सीएमओ ने ग्राम पंचायत कटिया के पुरवा झुन्झुनिया का किया दौरा

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। शुक्रवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी बलरामपुर डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने स्वास्थ्य विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की वास्तविक स्थिति का जायजा लेने के उद्देश्य से विकासखंड बलरामपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कटिया के पुरवा झुन्झुनिया का भ्रमण किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर योजनाओं के क्रियान्वयन की जमीनी हकीकत को परखा। सीएमओ ने बच्चों के नियमित टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की प्रसव पूर्व जांच, संस्थागत प्रसव, जननी सुरक्षा योजना तथा आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जैसी सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं के संबंध में ग्रामीणों से फीडबैक प्राप्त किया। ग्रामीणों ने बताया कि आशा कार्यकर्ता द्वारा उन्हें निरंतर स्वास्थ्य सेवाओं एवं योजनाओं के प्रति जागरूक किया जाता है तथा एएनएम द्वारा समय–समय पर बच्चों का टीकाकरण किया जाता है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि पात्र लाभार्थियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जिससे उन्हें गंभीर बीमारियों के उपचार हेतु निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल रहा है। सीएमओ ने मौके पर मौजूद स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक समयबद्ध और पारदर्शी तरीके से पहुंचाया जाए। इस अवसर पर जिला स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी अरविंद मिश्रा, जिला मलेरिया अधिकारी राजेश पाण्डेय सहित अन्य अधिकारी एवं स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ उपस्थित रहा।

सीमावर्ती गांवों में आयोजित हुआ निशुल्क चिकित्सा शिविर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर। गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ सेवा यात्रा.06,नेशनल मेडिकोज आर्गनाइजेशन द्वारा आयोजित शुक्रवार को प्रथम दिन जनपद के पचपेड़वा, गैसडी, तुलसीपुर, शिवपुरा विकास खंड के सीमावर्ती 34 गांवों में सुबह 10 बजे से निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन हुआ जिसमें,लखनऊ मेडिकल कॉलेज, पीजीआई, राममनोहर लोहिया अस्पताल आदि से कुशल चिकित्सक ने शिविर में उपस्थित होकर मरीजों को दवा देकर इलाज किया और परामर्श दिया।पचपेड़वा विकास खंड के बैरिहवा गांव में टीकाराम चौधरी के आवास के बाहर डॉक्टर विनोद शुक्ला, डॉक्टर निखिल, डॉक्टर शिवानी,डॉक्टर श्रेया ने 200 से अधिक मरीजों को जांच कर दवाई दिया।गुरु गोरक्षनाथ स्वास्थ सेवा यात्रा के जिला संयोजक रामकृपाल ने सभी स्वास्थ शिविर में पहुंचकर समुचित व्यवस्था का निरीक्षण भी किया। डॉक्टर विनोद ने बताया कि ज्यादातर मरीज ज्वाइंट पैन और खुजली के मिले ,महिलाए और बच्चो ने भी शिविर में पहुंच कर दवा लिया।

मुडिला बुजुर्ग एवं रमवापुर तिवारी में लगा ग्राम चौपाल

गाँव की समस्या गाँव में समाधान करने की मंशा को लेकर हुआ चौपाल कार्यक्रम

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विकास खण्ड के ग्राम पंचायत मुडिला बुजुर्ग एवं रमवापुर तिवारी में गाँव की समस्या गाँव में समाधान करने की मंशा को लेकर चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुडिला बुजुर्ग में चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव राम सिंह तो वहीं रमवापुर तिवारी में चौपाल कार्यक्रम की अध्यक्षता सचिव राम स्वरुप गुप्ता ने की। चौपाल कार्यक्रम में मुख्य रूप से पेंशन, पीएम आवास, व्यक्तिगत शौचालय, मनरेगा योजना/जी राम जी (विकसित भारत–गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण), रोजगार विषयक योजना (पूर्व मनरेगा योजना) विभिन्न जानकारियों समेत केंद्र और प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही ब्लॉक स्तरीय योजनाओं की जानकारी दी गयी। साथ ही लोगों को स्वच्छता के प्रति भी जागरूक किया। चौपाल कार्यक्रम में आरबीआई बैंक प्रतिनिधि संतोष शुक्ला ने बैंकिंग बीमा सेवा आदि जानकारी के साथ मशरूम की खेती, अगरबत्ती, मोमबत्ती, अचार मसाला पावडर बनाने के गृह उद्योगों की जानकारी दी। वहीं महिला विकास संस्थान से ब्लॉक ऑफिसर अमन शर्मा ने ग्रामीणों को बाल विवाह के मुद्दों पर शपथ ग्रहण करवाकर उन्हें जागरूक किया। इस दौरान मुडिला बुजुर्ग में प्रधान प्रतिनिधि कमलेश दुबे, रोजगार सेवक राम लगन, पंचायत सहायक अंजनी शर्मा, सफाई कर्मचारी तुलसीराम, विश्वनाथ सहानी, सुखपाल शर्मा, रेखा, चौधरी, सुरेखा, चौधरी, दीपेंद्र कुमार सहित रमवापुर तिवारी गाँव में ग्राम प्रधान सुभाष यादव आदि मौजूद रहे।

डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर सामाजिक समरसता रैली व सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार एवं देवेंद्र नाथ सामाजिक एवं शैक्षिक सेवा संस्थान, थरौली, सिद्धार्थनगर के तत्वावधान में जनसंघ के संस्थापक, प्रखर राष्ट्रवादी चिंतक एवं महान शिक्षाविद् डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित चार दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत दिनांक 06 फरवरी 2026 को सामाजिक समरसता रैली एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रातः 10 बजे सामाजिक समरसता रैली का शुभारंभ देवेंद्र नाथ सामाजिक एवं शैक्षिक सेवा संस्थान, थरौली, सिद्धार्थनगर से हुआ, जो अशोक मार्ग होते हुए लोहिया कला भवन, सिद्धार्थनगर पर संपन्न हुई। इसके पश्चात पूर्वाह्न 11रू30 बजे लोहिया कला भवन में सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलन एवं डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके उपरांत डीएनआईआईटी के छात्रों द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई, जिससे सभागार भक्तिमय वातावरण से भर गया। तत्पश्चात कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्यामधनी राही जी (माननीय विधायक, कपिलवस्तु) तथा विशिष्ट अतिथि श्डॉ अरुण कुमार प्रजापति, आलोक कुमार त्रिपाठी का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। डीएनआईआईटी के छात्रों द्वारा स्वागत गीत भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन संस्था के उप–प्रबंधक श्री अमित त्रिपाठी द्वारा दिया गया। इसके पश्चात छात्र–छात्राओं द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमोंकृ रिमिक्स, ऑपरेशन सिंदूर एवं रंगीला मारो ढोलनाकृने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम सामाजिक समरसता, राष्ट्रवादी चेतना एवं सांस्कृतिक एकता के संदेश के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मंचासीन अतिथियों को स्मृति–चिह्न भेंट कर सम्मानित किया गया तथा सार्वजनिक संकल्प एवं धन्यवाद ज्ञापन संस्था के प्रबंधक अरुण कुमार त्रिपाठी द्वारा प्रस्तुत किया गया।इस अवसर पर कार्यक्रम के संयोजक धर्मेंद्र कुमार पाठक, प्रांत प्रचार प्रमुख, गोरक्ष प्रांत सहित रामेश्वर, देवेश, विजय लक्ष्मी, हिमांशु, सोनू एवं बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र, सामाजिक कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

डायट में हुआ एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बांसी सिद्धार्थ नगर में उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य उमेश कुमार त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन एवं वरिष्ठ प्रवक्ता लालजी कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुशंसाओं व राष्ट्रीय पाठ्यचर्या 2023 के आलोक में पाँच दिवसीय जनपद स्तरीय एकीकृत शिक्षक प्रशिक्षण संपूर्ण मॉड्यूल कार्यक्रम के 15 वे बैच का सकुशल समापन हुआ। वरिष्ठ प्रवक्ता लालजी पाण्डेय ने बताया कि प्रशिक्षण द्वारा ज्ञान व अवधारणायें व्यवस्थित होती है तथा एकीकृत प्रशिक्षण में बताये गये सत्रों का कक्षा– कक्ष के मे ज्यादा से ज्यादा प्रयोग किया जाए स इस प्रशिक्षण के नोडल डायट–प्रवक्ता श्रवण कुमार बताया कि इस प्रशिक्षण में राष्ट्रीय पाठ्यचर्या की रूपरेखा में फाउंडेशन स्टेज, निपुण भारत मिशन अभियान, N-C-E-R-T- आधारित नवीन पाठ्य पुस्तकों का उन्मुखीकरण, बुनियादी साक्षरता व संख्या ज्ञान, जीवन कौशल, आई.सी० टी० का प्रयोग, शिक्षण योजना, समावेशी शिक्षा, आकलन, संस्कृत भाषा शिक्षण, हिन्दी भाषा शिक्षण, अंग्रेजी भाषा शिक्षण, गणित शिक्षण, सुरक्षा–संरक्षा, साईबर सुरक्षा कला एवं संगीत ,पर्यावरण तथा डिजास्टर मैनेजमेन्ट आदि के बारे में समझ विकसित होगा तथा सभी अपने शिक्षण में इसके प्रयोग पर विशेष बल देंगे। प्रशिक्षण सन्दर्भदाता के रूप में मंजुला यादव ,पंकज कुमार , महेन्द्र कुष्मार यादघ व अनिल कुमार बिन्द ने समस्त अवधारणाओं पर चर्चा किया तथा गतिविधि के द्वारा समझ विकसित किया जिससे विद्यालयों में कक्षा– शिक्षण सहज व रुचिकर हो जाएगा। इस दौरान डायट प्रवक्ता मो यूनुस, डॉ प्रतिभा सिंह,अंजना वर्मा व बद्रीनाथ त्रिपाठी उपस्थित रहे।

डीएम ने किया निरीक्षण, कार्यालयों में साफ सफाई एवं फाइलों का रखरखाव पर विशेष ध्यान देने के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद की डीएम श्रीमती प्रियंका निरंजन ने कलेक्ट्रेट के सभी कार्यालयों का निरीक्षण किया। निरीक्षण का उद्देश्य कार्यालयों में कार्यकुशलता, अनुशासन और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की निगरानी करना। जिलाधिकारी ने इस दौरान संबंधित पटल सहायकों से वार्ता करते हुए कार्यालय में समय पर उपस्थित रहने,साफ–सफाई बनाए रखने और फाइलों का उचित रखरखाव सुनिश्चित करने के लिए विशेष निर्देश दिए।डीएम ने कहा कि कार्यालयीन कार्यों में अनुशासन और व्यवस्था बनाए रखना अत्यंत आवश्यक है। फाइलों का सही तरीके से रखरखाव न केवल काम को तेज़ और प्रभावी बनाता है, बल्कि आम जनता को भी त्वरित और पारदर्शी सेवाएं प्रदान करने में मदद करता है। साथ ही, की महत्ता पर भी जोर उन्होंने कर्मचारियों को कार्यालय में समय की पाबंदी के महत्व पर भी बल दिया।उन्होंने जिलाधिकारी के साथ मिलकर कार्यालयीन गतिविधियों का अवलोकन किया और पटल सहायकों को आवश्यक दिशा–निर्देश प्रदान किए। डीएम ने कार्यालयों की सफाई,कार्यस्थल पर अनुशासन और फाइलों की नियमित जाँच और और जिम्मेदारीपूर्ण कार्य निष्पादन आवश्यक है।निरीक्षण के दौरान डीएम ने प्रत्येक कार्यालय के कर्मचारियों के कार्यप्रणाली की समीक्षा की और जहाँ सुधार की आवश्यकता थी,वहाँ उचित सुझाव भी दिए।जिलाधिकारी का यह निरीक्षण प्रशासनिक कार्यों की पारदर्शिता,दक्षता और समयबद्धता सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। उन्होंने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपेक्षा जताई कि वे आगामी समय में कार्यालयीन कार्यों में गुणवत्ता और अनुशासन बनाए रखें।इस अवसर पर उपस्थित अधिकारीगण ने जिलाधिकारी के सुझावों और दिशा–निर्देशों का स्वागत किया और उन्हें कार्यान्वित करने का आश्वासन दिया।निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी श्री आलोक कुमार, मुख्य राजस्व अधिकारी श्रीमती रिंकी जायसवाल, नगर मजिस्ट्रेट पंकज वर्मा, प्रशासनिक अधिकारी वीरेंद्र कुमार तिवारी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

मार्ग दुर्घटना में एक की मौत चार घायल एक की हालत नाजुक इलाज जारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गैसड़ी/बलरामपुर। थाना गौरा चौराहा के अंतर्गत ग्राम बेनी नगर से बृहस्पतिवार को जनपद बहराइच के एक गांव में बारात गए थे बारात से वापस लौटते समय थाना गौरा चौराहा के निकट पुरैना पेट्रोल पंप के पास चौपाइयां वाहन अनियंत्रित होकर रोड से नीचे गहरे गड्ढे में चली गई जिससे गाड़ी में बैठे सभी लोग जख्मी हो गए गाड़ी में कुल पांच लोग सवार थे सभी चोटिलों को निकट प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नंद नगर में त्वरित इलाज के लिए पहुंचाया गया जबकि सौरभ की हालत नाजुक देखकर चिकित्सकों ने जिला चिकित्सालय बलरामपुर के लिए रेफर कर दिया । इलाज के दौरान पंचायत सहायक कर्मी सौरभ यादव पुत्र महादेव यादव आयु करीब 25 वर्ष निवासी ग्राम बेनी नगर की मौत हो गई जबकि सोनू पुत्र घनश्याम गुप्ता आयु 26 वर्ष , संदीप यादव पुत्र स्वयंवर यादव आयु 25 वर्ष , भूरे पुत्र संतु शर्मा आयु 18 वर्ष व चालक जाकिर आयु करीब 45 वर्ष निवासी ग्राम बिजौरा जनपद सिद्धार्थनगर घायल है जिनका इलाज जारी है। घटना की जानकारी मिलते ही गांव में मातम छा गई वहीं परिजनों का रो – रो कर बुरा हाल है घटना के संबंध में थाना अध्यक्ष गौरा चौराहा ने बताया कि कोई सूचना नहीं मिली है फिर हाल जांच करवाते हैं ।

बीएलओ से मारपीट करने वाले आरोपितों की गिरतारी की मांग

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विधानसभा शोहरतगढ़ अन्तर्गत बूथ संख्या 45 गौरा अलीदापुर में कार्य बीएलओ विजय कुमार के साथ मारपीट करने वाले आरोपितों की गिरतारी की मांग उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने की है। संघ के जिला अध्यक्ष राधे रमण त्रिपाठी ने कहा कि बीएलओ के रूप में दायित्व निभाते हुए एसआईआर जैसे महत्वपूर्ण कार्य में शिक्षामित्र विजय कुमार द्वारा बीएलओ के रूप में योगदान दिया जा रहा है। उनके साथ मारपीट की घटना से वह और उनका परिवार डरा सहमा हुआ है। घटना में घायल शिक्षामित्र की शारीरिक व मानसिक स्थिति काफी खराब है। घटना की प्राथमिकी पुलिस ने दर्ज कर ली है, परन्तु आरोपित की गिरतारी न होने से शिक्षामित्र और उनका परिवार काफी भयभीत है।

विधायक के माता जी के निधन पर व्यापारियों ने जताया शोक, दी श्रद्धांजलि

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा के माताजी के निधन पर गुरुवार देर सायं को नगर पंचायत शोहरतगढ़ के भारत माता चौक पर व्यापार मण्डल अध्यक्ष शोहरतगढ़ शैलेन्द्र कौशल व महामंत्री मनोज कुमार गुप्ता की अगुवाई में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया, जिसमे नगर के व्यापारी सहित विभिन्न संगठनों के लोगों समाजसेवियों ने श्रद्धा सुमन अर्पित कर दिवंगत आत्मा भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। आपको बता दें कि कि कुछ दिनों पूर्व विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा के माताजी का नोएडा में निधन हो गया था। उनके निधन पर विधानसभा क्षेत्र में क्रमवार आयोजित शोक बैठकों श्रद्धांजलि दी जा रही है। शोक सभा में शोहरतगढ़ नगर के व्यापारियों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। शान्ति प्रार्थना के उपरान्त सभी लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा के शान्ति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की और विधायक समेत उनके परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उक्त श्रद्धांजलि सभाओं में मुख्य रूप से वरिष्ठ व्यापारी सन्तोष पोद्दार, महावीर वर्मा, राजकुमार किशोरी लाल गुप्ता, रामसेवक, मोदनवाल, रविन्द्र वर्मा, दिलीप वर्मा, बब्लू, व्यापार मण्डल उपाध्यक्ष मुकेश पोद्दार, राजेन्द्र कुमार कान्दू, सतीश मित्तल, रंजीत मित्तल, रुपेश वर्मा, दीनानाथ कसौधन, रशीद, प्रशान्त मिश्रा, .ष्ण कुमार अग्रवाल, महेश कसौधन, अर्जुन गुप्ता, रामदास मौर्या, सहित भाजपा व अपना दल (एस) के समर्थक व कई समाजसेवी ने शोक व्यक्त करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की।

मिशन 2026 के तहत नक्सलियों पर होगा फाइनल प्रहार!: शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद के खिलाफ चलाए जा रहे सुरक्षा अभियानों की समीक्षा के लिए 7 से 9 फरवरी तक दौरे पर रहेंगे। अमित शाह नक्सली स्थिति पर एक उच्च स्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करेंगे और रायपुर में अतिरिक्त बैठकें करेंगे। दौरे के दौरान वे बस्तर पांडुम कार्यक्रम में भी भाग लेंगे। यह दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब सरकार 31 मार्च, 2026 तक वामपंथी उग्रवाद को खत्म करने के अपने संकल्प को और मजबूत कर रही है। इससे पहले दिन में, सुरक्षा बलों ने आज सुबह बीजापुर जिले के दक्षिणी क्षेत्र में एक मुठभेड़ में एक माओवादी को मार गिराया। सुरक्षा बलों ने घटनास्थल से एक एके–47 राइफल भी जब्त की। इसी बीच,

एमआईएम प्रदेश अध्यक्ष के कथित विवादित बयान को लेकर लोगों में आक्रोश, दो नामजद पर मुकदमा दर्ज

दैनिक बुद्ध का संदेश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। ऑल इंडिया मजलिस–ए–इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के उत्तर प्रदेश प्रदेश अध्यक्ष शौकत अली चौधरी के विवादित बयान को लेकर शुक्रवार को क्षेत्र में आक्रोश का माहौल देखने को मिला। मामले को लेकर विभिन्न संगठनों और हिंदू समाज के लोगों ने थाना व तहसील स्तर पर तहरीर व ज्ञापन देकर कड़ी कार्रवाई की मांग की।विवादित बयान के संबंध में ब्लाक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष लवकुश ओझा ने प्रभारी निरीक्षक डुमरियागंज को तहरीर देकर आधा दर्जन ज्ञात व दर्जनों अज्ञात लोगों के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। वहीं भवानीगंज थाना परिसर में कर्मयोगी परिवार द्वारा चेयरमैन धर्मराज वर्मा के नेतृत्व में भी तहरीर सौंपकर सख्त कार्रवाई की मांग की गई। इसी क्रम में कर्म योगी परिवार तत्वाधान में भारी संख्या में हिंदू जनमानस तहसील परिसर डुमरियागंज पहुंचा और एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष के बयान को लेकर विरोध प्रदर्शन करते हुए नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने उपजिलाधिकारी राजेश कुमार को ज्ञापन सौंपकर भवानीगंज पुलिस द्वारा शांतिभंग में चालान किए गए व्यक्ति की जमानत नामंजूर किए जाने की मांग की। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गुरुवार को जबजौवा, भुईगांवा और चकमझारी में आयोजित जनसभाओं के दौरान एआईएमआईएम प्रदेश अध्यक्ष द्वारा कथित तौर पर हिंदू समाज के विरुद्ध आपत्तिजनक भाषा का प्रयोग किया गया, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ। हालांकि हम वायरल वीडियो की पुष्टि नहीं करते हैं। तहरीर में यह भी आरोप लगाया गया है कि डुमरियागंज के पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह के विरुद्ध अपशब्द कहे गए तथा उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई। आरोप है कि सभा के दौरान मौजूद आधा दर्जन ज्ञात व दर्जनों अज्ञात लोगों ने भी भड़काऊ टिप्पणियां कर माहौल को उत्तेजित करने का प्रयास किया, जिससे मौके पर तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। लवकुश ओझा ने कहा कि यदि समय रहते आरोपियों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई नहीं की गई तो क्षेत्र का सांप्रदायिक सौहार्द प्रभावित हो सकता है। उन्होंने प्रशासन से प्राथमिकी दर्ज कर सख्त कदम उठाने की मांग की, ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक श्रीप्रकाश यादव ने बताया कि तहरीर प्राप्त हो चुकी है और मामले की जांच की जा रही है। जांच के आधार पर आवश्यक विधिक कार्रवाई की जाएगी।, वहीं पुलिस क्षेत्राधिकारी बृजेश कुमार वर्मा ने बताया कि भवानीगंज पुलिस द्वारा दो नामजद व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उपजिलाधिकारी राजेश कुमार ने कहा कि प्राप्त ज्ञापन के आधार पर नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान चेयरमैन चंद्र प्रकाश वर्मा, प्रधान संघ अध्यक्ष दिलीप उर्फ छोटे पाण्डेय, लालजी शुक्ला, शैलेन्द्र रावत, राजन अग्रहरि, शत्रुहन सोनी, बब्बू पाठक, कमलेंद्र त्रिपाठी, सुगंध अग्रहरि, रविंद्र शर्मा आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

अकसर खनन के लिये दिए गए परमिटों में अस्पष्टता और स्थानीय स्तर पर कमजोर निगरानी का फायदा उठाया जाता है। वह भी तब जब सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के फैसलों में बार–बार इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि आर्थिक गतिविधियां पारिस्थितिकीय नुकसान की कीमत पर नहीं चलायी जा सकती। फिर भी, जमीनी स्तर पर, प्रवर्तन एजेंसियां ...

पंजाब के प्राकृतिक सुरक्षा कवच पर चोट

सत्ताधीशों की इच्छा शक्ति की कमी और प्रवर्तन एजेंसियों की लापरवाही से खनन माफिया के हौसल बुलंद हैं। कहीं न कहीं नागरिकों की उदासीनता भी इसके मूल में हैं। पंजाब के रोपड़ जिले की शिवालिक पहाड़ियों में हो रही तबाही उस भयावह स्थिति को दर्शाती है, जिसका खमियाजा आने वाली पीढ़ियों को भी भुगतना पड़ेगा। वजह साफ है कि अंधाधुंध खनन से शिवालिक पहाड़ियों के पारिस्थितिकीय तंत्र को भारी क्षति पहुंच रही है। जो हमें यह भी बताता है कि नीति और प्रवर्तन के बीच खाई में पर्यावरणीय अपराध कैसे और किस तेजी से पनपते हैं। प्रशासन की नाक के नीचे खुदाई करने वाली भारी मशीनों का खुलेआम प्रयोग अवैध खनन हेतु किया जा रहा है। इस पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र की पूरी पहाड़ियों को समतल किया जा रहा है। जो हमारे पर्यावरण के लिये एक गंभीर चुनौती है। यह क्षति शिवालिक पहाड़ियों के मूल पारिस्थितिक कार्यों मसलन भूजल पुनर्भरण, मृदा–स्थिरता और जैव–विविधता संरक्षण जैसे जीवन रक्षक लक्ष्यों को गंभीर रूप से प्रभावित करती है। दरअसल, यह शिवालिक पर्वतमाला भू–संरचना की दृष्टि से नयी बनी हुई है और स्वाभाविक रूप से अस्थिर है। निर्विवाद रूप से किसी भी स्थान पर होने वाली अनियंत्रित खुदाई से भूमि का कटाव बहुत तेजी से होता है। जिसके चलते वर्षा ऋतु और उसके बाद भूस्खलन की प्रवृत्ति तेजी से बढ़ती है। वहीं इन क्षेत्रों में गाद जमाव का संकट भी गहरा जाता है। कालांतर इसके चलते जल निकासी के पैटर्न में अप्रत्याशित बदलाव देखने में आता है। यह सर्वविदित है कि एक बार इन पहाड़ियों को अवैध रूप से काटकर समतल कर दिया जाता है तो उसके मूल स्वरूप को फिर प्राप्त कर पाना लगभग असंभव है। दूसरे शब्दों में कहें उस क्षेत्र विशेष का प्राकृतिक संरक्षण कवच हमेशा के लिए नष्ट हो जाता है। ऐसे में प्राकृतिक सुरक्षा को नष्ट करने वाला विकास कालांतर आपदा का कारक बन सकता है। दरअसल, यह ऐसा प्राकृतिक सुरक्षा तंत्र होता है जो निचले मैदानी इलाकों को बाढ़ और जल संकट से बचाता है। यह विडंबना ही कही जाएगी कि इस बाबत जवाबदेह अधिकारियों द्वारा दलील दी जाती रही है कि इस क्षेत्र में खनन की प्रक्रिया पर्यावरण संबंधी स्वीकृतियों के आधार पर की जाती रही है। साथ ही यह भी सफाई दी जाती है कि ऐसी स्वीकृतियों का उल्लंघन करने वालों पर जुर्माना लगाया जाता है। लेकिन हकीकत तब उजागर हो जाती है जब स्थानीय लोग रात के समय होने वाले खनन कार्यों, निर्धारित सीमा से अधिक और बड़े पैमाने पर पहाड़ी इलाकों में कटाई होने के आरोप लगाते हैं। ऐसे में अधिकारियों की तमाम दलीलें खोखली ही साबित होती हैं। दरअसल,सवाल नियम–कानूनों की प्रभावकारिता का नहीं है बल्कि असली दिक्कत प्रवर्तन एजेंसियों की उदासीनता की है। जो वस्तु–स्थिति से अवगत होने के बावजूद इन आपराधिक कृत्यों के प्रति आंखें मूंदे रहती हैं। दरअसल, खनन कार्यों से जुड़े ठेकेदारों को आपराधिक तत्वों व राजनेताओं का संरक्षण भी एक बड़ी चुनौती है। इसमें दो राय नहीं है कि जब अवैध खनन के खिलाफ जमीनी स्तर पर निगरानी के बजाय महज कागजी कार्रवाई का सहारा लिया जाता है तो अवैध खनन को संबल मिलता है। ऐसा भी नहीं है कि यह अवैध खनन केवल पंजाब की शिवालिक पहाड़ियों के आसपास ही हो रहा है। पूरे भारत में, पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील तमाम क्षेत्रों में अवैध खनन लगातार पर्यावरण से जुड़े कानूनों की सीमाओं का उल्लंघन करता नजर आता है। अकसर खनन के लिये दिए गए परमिटों में अस्पष्टता और स्थानीय स्तर पर कमजोर निगरानी का फायदा उठाया जाता है। वह भी तब जब सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण के फैसलों में बार–बार इस बात पर जोर दिया जाता रहा है कि आर्थिक गतिविधियां पारिस्थितिकीय नुकसान की कीमत पर नहीं चलायी जा सकती। फिर भी, जमीनी स्तर पर, प्रवर्तन एजेंसियां या तो शक्तिहीन दिखाई देती हैं या निर्णायक कार्रवाई करने की इच्छाशक्ति उनमें नजर नहीं आती। वास्तव में अवैध खनन पर सिर्फ जुर्माना लगाने के बजाय प्रतिबंधित क्षेत्रों का सख्त सीमांकन, प्रौद्योगिकी आधारित निगरानी तथा अधिकारियों की जवाबदेही सुनिश्चित करने की जरूरत है।

बुद्ध की क्रीड़ा स्थली में पर्यटकीय संभावनाएं

जनपद सिद्धार्थनगर की धरती न केवल ऐतिहासिक .ष्टि से समृद्ध है, बल्कि भगवान बुद्ध की क्रीड़ास्थली कपिलवस्तु के माध्यम से यह जिला वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर चमकने की अपार संभावनाएं रखता है। सिद्धार्थनगर जनपद का नाम स्वयं भगवान बुद्ध के बचपन के नाम श्सिद्धार्थश पर रखा गया है। यहाँ स्थित प्राचीन कपिलवस्तु (पिपरहवा/गंवरिया) वह स्थान है जहाँ राजकुमार सिद्धार्थ ने अपने जीवन के प्रथम 29 वर्ष व्यतीत किए थे। आज यह स्थल केवल एक पुरातात्विक धरोहर नहीं, बल्कि जिले की अर्थव्यवस्था और पहचान को बदलने वाला एक शक्तिशाली माध्यम बन सकता है। कपिलवस्तु में बढ़ते अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों के आगमन से स्थानीय अर्थव्यवस्था को नई दिशा मिल रही है। होटल और हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र को देखें तो पाएंगे कि विदेशी और देशी पर्यटकों की बढ़ती संख्या के कारण जिले में आधुनिक होटलों, गेस्ट हाउस और होम–स्टे की मांग बढ़ी है, जिससे प्रत्यक्ष रोजगार पैदा हो रहा है।परिवहन सेवाएँ को देखें। पर्यटकों के आवागमन के लिए टैक्सी, बस और गाइड सेवाओं का विस्तार स्थानीय युवाओं के लिए स्वरोजगार का बड़ा जरिया बन रहा है। सरकार द्वारा श्बौद्ध सर्किटश के तहत कपिलवस्तु पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।विकास परियोजनाएं इस तरह हैं। हाल ही में कपिलवस्तु के सौंदर्यीकरण और सुविधाओं के लिए 6 करोड़ रुपये की योजनाएं स्वी.त की गई हैं। आधुनिक सुविधाओं को देखें तो पाएंगे कि पिपरहवा में आधुनिक बौद्ध विहार, बुद्ध थीम पार्क, आर्ट गैलरी और फूड प्लाजा का निर्माण कार्य प्रगति पर है। इससे न केवल पर्यटक आकर्षित होंगे, बल्कि स्थानीय निवासियों को भी बेहतर सार्वजनिक स्थल मिलेंगे। कपिलवस्तु के समीप सिद्धार्थ विश्वविद्यालय की स्थापना ने इस क्षेत्र को शिक्षा के केंद्र के रूप में भी स्थापित किया है। श्ग्लोबल हेरिटेज कांक्लेवश जैसे अंतरराष्ट्रीय आयोजनों के माध्यम से दुनिया भर के विद्वान यहाँ जुड़ रहे हैं, जिससे जिले की शैक्षणिक और सांस्.तिक गरिमा बढ़ रही है। कपिलवस्तु आने वाले पर्यटक यहाँ के प्रसिद्ध श्काला नमक चावलश (जिसे बुद्ध का महाप्रसाद माना जाता है) के लिए एक बड़ा बाजार तैयार करते हैं। पर्यटन बढ़ने से यहाँ के किसानों और स्थानीय कारीगरों को उनके उत्पादों का वैश्विक दाम मिल सकता है। यद्यपि विकास की गति बढ़ी है, लेकिन अभी भी कुछ क्षेत्रों में सुधार की आवश्यकता है। आवागमन हेतु रेल और सड़क मार्ग को और अधिक सुलभ बनाना। प्रचार–प्रसार हेतु अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कपिलवस्तु की ब्रांडिंग को और तेज करना। स्किल डेवलपमेंट हेतु स्थानीय युवाओं को विदेशी भाषाओं और पर्यटन प्रबंधन का प्रशिक्षण देना। कपिलवस्तु का विकास केवल एक धार्मिक स्थल का जीर्णोद्धार नहीं है, बल्कि यह सिद्धार्थनगर के पिछड़ेपन को दूर करने और इसे एक श्ग्लोबल हबश बनाने का सपना है। यदि पर्यटन की इन संभावनाओं को सही दिशा मिली, तो आने वाले वर्षों में सिद्धार्थनगर उत्तर प्रदेश के सबसे विकसित जनपदों में से एक होगा।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

समग्र रणनीति व जागरूकता से रुकेगा जल प्रदूषण

इसके साथ ही प्रदूषित जल के विकल्प, उपचार उपाय और स्वास्थ्य संबंधी सावधानियों के बारे में मार्गदर्शन प्राप्त हो सके। इन प्रयोगशालाओं के आंकड़ों के आधार पर राज्य स्तर पर जल गुणवत्ता प्रवृत्ति विश्लेषण किया जाना चाहिए, जिससे नीतिगत निर्णय अधिक प्रभावी बन सकें। भूजल प्रदूषण को जनआंदोलन के माध्यम से ही स्थायी रूप से नियंत्रित किया जा सकता है। जब तक किसान ...

जल सुरक्षा केवल आपूर्ति का प्रश्न नहीं है, बल्कि यह जीवन, स्वास्थ्य, पर्यावरण और सामाजिक न्याय से जुड़ी एक समग्र प्रणाली है। जब तक भूजल को केवल दोहन की वस्तु के रूप में देखा जाएगा, तब तक संकट गहराता रहेगा। बीते कुछ दशकों में भूजल का अत्यधिक दोहन और निरंतर प्रदूषण एक गंभीर स्वास्थ्य, सामाजिक और आर्थिक संकट का रूप ले चुका है। आज यह जल की गुणवत्ता, जनस्वास्थ्य और भावी पीढ़ियों के जलाधिकार से सीधे जुड़ा हुआ मुद्दा बन चुका है। केंद्रीय भूजल बोर्ड द्वारा जारी वार्षिक भूजल गुणवत्ता रिपोर्ट 2025 के अनुसार, देश के कई राज्यों के जिलों के भूजल में विभिन्न रासायनिक प्रदूषकों की मात्रा निर्धारित मानकों से अधिक पाई जा रही है। रिपोर्ट के अनुसार, इसमें लवणता, फ्लोराइड, यूरेनियम, नाइट्रेट, आयरन और आर्सेनिक जैसे तत्व निर्धारित सीमा से ऊपर दर्ज किए गए हैं। ये आंकड़े नागरिकों के स्वास्थ्य, जीवन–गुणवत्ता और भविष्य से जुड़े गंभीर संकेत हैं। हरियाणा में सिंचाई के लिए 85 प्रतिशत से अधिक जल भूमिगत स्रोतों से प्राप्त किया जाता है। रिपोर्ट के अनुसार, हरियाणा के कई जिलों में फ्लोराइड, नाइट्रेट, आयरन और यूरेनियम जैसे प्रदूषकों की मात्रा सुरक्षित मानकों से अधिक पाई गई है। विशेष रूप से, फ्लोराइड की अधिकता राज्य के अनेक जिलों में दंत फ्लोरोसिस और अस्थि फ्लोरोसिस जैसी गंभीर

बीमारियों की आशंका को बढ़ाती है। नाइट्रेट की अधिकता शिशुओं में 'ब्लू बेबी सिंड्रोम' जैसी जानलेवा स्थिति उत्पन्न कर सकती है, जबकि यूरेनियम और आर्सेनिक दीर्घकालिक रूप से गुर्दे, हड्डियों और तंत्रिका तंत्र पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। कृषि क्षेत्र में रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों का अत्यधिक और असंतुलित प्रयोग, औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले अपशिष्टों का अपर्याप्त उपचार, शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में सीवेज प्रबंधन की कमजोर व्यवस्था तथा वर्षाजल के प्राकृतिक पुनर्भरण मार्गों का अवरुद्ध होना, भूजल की गुणवत्ता को लगातार नुकसान पहुंचा रहे हैं। हाल के वर्षों में मध्य प्रदेश के भोपाल में दूषित पेयजल की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि जल गुणवत्ता की अनदेखी गंभीर मानवीय त्रासदी में बदल सकती है। जांच में पाया गया कि दूषित पानी के सेवन से कई लोगों की असमय मृत्यु की घटनाएं सामने आईं। यह देश के लिए एक चेतावनी है कि जल गुणवत्ता को केवल तकनीकी या कागजी प्रक्रिया मानकर नहीं छोड़ा जा सकता। यह घटना दर्शाती है कि जल प्रदूषण का प्रभाव अचानक और घातक रूप में सामने आ सकता है। जब तक समस्या दिखाई देती है, तब तक बहुत नुकसान हो चुका होता है। यही कारण है कि भूजल प्रदूषण को अब भविष्य का नहीं, बल्कि वर्तमान का संकट मानकर उससे निपटना होगा। सरकार द्वारा जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना और राष्ट्रीय जल गुणवत्ता कार्यक्रम जैसी योजनाओं के माध्यम से इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास किए जा रहे हैं। आवश्यकता है कि इन योजनाओं को जल गुणवत्ता सुधार की समग्र रणनीति में बदला जाए। भूजल की नियमित और पारदर्शी निगरानी, प्रदूषण स्रोतों की वैज्ञानिक पहचान, स्थानीय स्तर पर जल उपचार संयंत्रों की स्थापना और वर्षाजल संचयन को प्रभावी रूप से लागू करना समय की मांग है। हरियाणा के संदर्भ में जिला स्तर पर जल गुणवत्ता मानचित्रण, ग्राम पंचायतों को जल–गुणवत्ता आधारित स्वास्थ्य सूचकांकों से जोड़ना और विकेंद्रीकृत जल उपचार प्रणालियों को बढ़ावा देना आवश्यक है। जल एवं स्वच्छता सहायक संगठन जैसी संस्थाओं की भूमिका को और सशक्त कर सामुदायिक सहभागिता को मजबूत किया जा सकता है। जल रक्षक और जल प्रहरी जैसे स्थानीय स्वयंसेवकों की अवधारणा जल निगरानी और जागरूकता को जमीनी स्तर पर प्रभावी बना सकती है। वहीं यूरेनियम और आर्सेनिक जैसे तत्वों की भूगर्भीय उत्पत्ति, उनके प्रसार और स्वास्थ्य पर प्रभाव को समझने के लिए विश्वविद्यालयों और अनुसंधान संस्थानों को सक्रिय भूमिका निभानी होगी। हरियाणा के प्रत्येक जिले में जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के अंतर्गत जल गुणवत्ता परीक्षण की प्रयोगशालाएं पहले से कार्यरत हैं। इनकी क्षमता, नियमितता और जन–सुलभता को और सुदृढ़ किया जाए। जल परीक्षण सेवाओं को जन–जागरूकता, परामर्श और समयबद्ध सूचना प्रणाली से जोड़ा जाए, ताकि आम नागरिकों को गुणवत्ता की जानकारी मिल सके।

ऐसा ही गुस्सा कोटद्वार के दीपक को आया होगा जब उसने यह देखा कि 75 साल के एक मुसलमान व्यापारी को इसलिए परेशान किया जा रहा है कि उसकी दुकान के नाम में 'बाबा' जुड़ा हुआ है। तीस साल से चल रही है यह दुकान। तीस साल तक किसी को इस पर कोई आपत्ति नहीं हुई। तो, आज यह विवाद किसलिए? यह सवाल सिर्फ 'मोहम्मद दीपक' नाम वाले युवक का...

तंग नजरिये से छोटा न हो भारतीयता का आंगन

देश के हर विवेकशील नागरिक के मन में यह सवाल उठना चाहिए। भारतीयता के आंगन में धर्म की दीवारें खड़ी करने वालों को यह बात क्यों समझ नहीं आ रही कि ऐसी हर दीवार आंगन को छोटा ही करती है। आज अपने आंगन को बांटना नहीं है, पूरे आंगन में धूप की ऊष्मा और रोशनी पहुंचाना हमारी आवश्यकता है। अखबार में उस दिन दो खबरें एक साथ दिखीं। पहली खबर उत्तराखंड के कोटद्वार की है। वहां एक दुकान है, स्कूली ड्रेस बिकती हैं वहां। नाम है 'बाबा स्कूल ड्रेस और मैचिंग सेंटर'। पिछले 30 साल से चल रही इस दुकान के 75 वर्षीय मुस्लिम मालिक को कुछ लोग धमका रहे हैं कि वह दुकान का नाम बदले बाबा शब्द को हटा दें। भले ही आप अपने पिता को बाबा कहते हैं पर इस दुकान का नाम बदलवाने की मांग करने वालों का कहना है कि कोटद्वार में बाबा सिद्धबली का मंदिर है। उन्हें लगता है कि इस 'बाबा' नाम पर हिंदुओं का एकाधिकार है और किसी मुसलमान को अपनी दुकान का नाम हिंदुओं के देवता के नाम पर रखने का अधिकार नहीं है। अपने आप को हिंदू धर्म का रक्षक मानने वालों की उस भीड़ ने कुछ दिन पहले भी इस नाम को बदलने की मांग की थी, और अब फिर इस बात का जवाब मांग रहे थे कि 'अब तक नाम बदला क्यों नहीं गया'। यह जानना जरूरी है कि उस भीड़ के लोग आग्रह नहीं कर रहे थे, धमका रहे थे। उनकी धमकियों का शोर सुनकर पास के जिम का युवा मालिक वहां पहुंचा। जब उसने शोर मचाने वालों को रोकने की कोशिश की और बाबा स्कूल ड्रेस के उम्रदराज मुसलमान मालिक का पक्ष लिया तो उन उपद्रवियों ने उसे युवक का नाम पूछा। युवक ने बुलंद आवाज में अपना नाम बताया मोहम्मद दीपक। उसका नाम दीपक कुमार ही था, पर उपद्रवियों के सामने तनकर खड़ा होते हुए उसने स्वयं को मोहम्मद कहा था। एक मुसलमान पड़ोसी के हितों की रक्षा के लिए किसी हिंदू का सामने आना इस देश के लिए नई बात नहीं है, पर दीपक कुमार का स्वयं को मोहम्मद बताना और वह भी सांप्रदायिकता का जहर फैलाने वालों के सामने, साहस की मांग करता है।

दीपक कुमार ने यह साहस दिखाया और इस साहस के लिए देश के विवेकशील नागरिक उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। विवेकशील लोगों की कमी नहीं है देश में, पर अन्याय के खिलाफ खड़े होकर न्याय के लिए खतरा मोल लेना भी कोई आसान काम नहीं है। दीपक कुमार ने यह साहस दिखाया है। ऐसे हर दीपक का हौसला बढ़ाने की आवश्यकता है। जिस दिन अखबार में 'मोहम्मद दीपक कुमार' की यह खबर छपी थी, उसी दिन एक खबर देश की पूर्वी सीमा से भी आयी थी। असम की बात है यह। मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा का एक बयान छपा था अखबारों में। वह कह रहे थे कि मुसलमान रिक्शा चालक को हिंदुओं से कम मेहनताना देना चाहिए। कोई भी यदि इस तरह के भेदभाव वाली बात कहे तो उसे गलत ही कहा जायेगा। पर यदि कोई मुख्यमंत्री ऐसी बात करता है तो उसकी सोच पर गुस्सा ही नहीं आता, तरस भी आता है। मुख्यमंत्री जैसे जिम्मेदार पद पर बैठा कोई व्यक्ति यदि इस तरह की घटिया सोच का प्रदर्शन करता है तो बात और भी गंभीर हो जाती है। यह दुर्भाग्य ही है कि आजादी अर्जित करने के इतने साल बाद इस तरह की सोच के उदाहरण सामने आ रहे हैं। जब हमारे पूर्वजों ने देश के संविधान में पंथ–निरपेक्ष भारत की व्यवस्था की थी तो यह निर्णय बहुत सोच–विचार कर लिया गया था। यह सही है कि देश का बंटवारा धर्म के नाम पर हुआ था, पर हमारे तत्कालीन नेताओं ने कभी यह नहीं स्वीकारा कि हमारा भारत किसी एक धर्म को मानने वालों का देश बन जाये। दुनिया में शायद ही कोई और देश होगा जहां इतने धर्मों को मानने वाले लोग हों जितने हमारे देश में हैं। भारत ने हर धर्म का स्वागत किया है। हमारी बहुधर्मिता हमारी ताकत है। यह सही है कि भारत में लगभग अस्सी प्रतिशत आबादी हिंदू है, लेकिन यहां हर धर्म को मानने वालों को अपनी आस्था के अनुसार जीने का अधिकार हमारा संविधान देता है। ऐसे में जब धर्म के आधार पर भेदभाव करने का कोई उदाहरण सामने आता है, और यदि उदाहरण मुख्यमंत्री स्तर का कोई व्यक्ति प्रस्तुत करता है तो हैरानी भी होती है, और पीड़ा भी। कुछ ऐसा ही एक उदाहरण पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने प्रस्तुत किया है। 'सबका साथ, सबका विकास' हमारे प्रधानमंत्री जी का प्रिय नारा है। वे और उनकी पार्टी के अन्य नेता इस बात का दावा भी करते हैं कि भाजपा की सरकारें बिना किसी भेद–भाव के हर धर्म को मानने वाले के विकास की चिंता करती हैं। होना भी यही चाहिए। प्रधानमंत्री सिर्फ अपने दल का ही नेता नहीं होता, सारे देश का प्रधानमंत्री होता है वह। इसलिए, जब सबके साथ और सबके विकास की बात होती है तो उसका स्वागत ही होना चाहिए। पर पश्चिम बंगाल के भाजपा नेता शुभेंदु खुलेआम यह कह रहे हैं कि इस नीति को बदला जाना चाहिए। हाल ही में उन्होंने यह कहा है कि 'अब' यह नीति नहीं चलेगी। उन्होंने घोषणा की है कि 'जो हमारे साथ हैं, हम उसके साथ हैं'। स्पष्ट है, वे अपने राजनीतिक विरोधियों की ही नहीं, गैर हिंदुओं की भी बात कर रहे हैं। ज्ञातव्य है कि कुछ अर्सा बाद पश्चिम बंगाल में चुनाव होने वाले हैं। उसके कुछ बाद असम में चुनाव की बारी है। ऐसी स्थिति में इन दोनों राज्यों में धर्म के आधार पर भेदभाव की आशंकाएं मंडरा रही हैं। सवाल सिर्फ चुनाव में हार–जीत का नहीं है, सवाल उस बीमार सोच का है जिसके चलते देश की जनता को धर्म के आधार पर बांटा जा रहा है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भले ही किसी भी सोच के अंतर्गत 'बटेंगे तो कटेंगे' की चेतावनी दी हो, पर यह चेतावनी सारे देश के लिए है हमने अपने संविधान में हर भारतीय को समता, न्याय और बंधुता के आधार पर समान अधिकार देने की व्यवस्था की थी।

बलूचिस्तान में रेल सेवाएं ठप, मोबाइल बंद, सामान छोड़ कर भाग रहे पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी, Islamabad के छूटे पसीने

बलूचिस्तान में हालात एक बार फिर धधक उठे हैं और इस बार आग इतनी तेज है कि इस्लामाबाद तक उसकी तपिश महसूस की जा रही है। पूरे प्रांत में रेल सेवाएं अनिश्चित समय के लिए रोक दी गई हैं। कारण साफ हैदृ सुरक्षा बलों ने मंजूरी देने से हाथ खड़े कर दिए हैं क्योंकि कई जिलों और शहरों में सैन्य अभियान, झड़पें और उग्र गतिविधियां लगातार जारी हैं। पाकिस्तान रेल प्राधिकरण ने घोषणा की है कि जफर रेल सेवा जो क्वेटा से पेशावर जाती है, बोलन डाक रेल जो क्वेटा से कराची चलती है, चमन की स्थानीय यात्री रेल और प्रांत के भीतर तथा बाहर जाने वाली अन्य सेवाएं फिलहाल बंद रहेंगी। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित न कर पाने को कारण बताया गया है।

रेल ही नहीं, कई शहरों में मोबाइल और मोबाइल डाटा सेवाएं भी लगातार छठे दिन बंद हैं। संचार सेवाओं की यह बंदी अपने आप में बताती है कि जमीन पर स्थिति कितनी नाजुक है। खुफिया सूत्रों के अनुसार कई नगरों में एक साथ छापे, घेराबंदी और जवाबी अभियान भी चल रहे हैं। हम आपको बता दें कि बलूचिस्तान मुक्ति सेना द्वारा घोषित वीर अभियान–2 के चलते पाकिस्तान की हालत खराब हो गयी है। बलूचिस्तान मुक्ति सेना का दावा है कि 31 जनवरी से उसने 10 शहरों के 12 से अधिक स्थानों पर समन्वित हमले किए जिनमें क्वेटा और ग्वादर जैसे अहम केंद्र शामिल हैं।

संगठन का कहना है कि इस दौरान 22 से अधिक पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी मारे गए। दूसरी ओर सेना जन संपर्क विभाग का दावा है कि उसके रद उल फितना–1 नामक अभियान में 216 उग्रवादी मारे गए। दोनों पक्षों के दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो पाई है, लेकिन इतना तय है कि संघर्ष का पैमाना बड़ा है। सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे वीडियोज में देखा जा सकता है कि पाकिस्तानी सुरक्षाकर्मी जल्दबाजी में वर्दी और साजो सामान छोड़ कर गए।

पाकिस्तान की बेचैनी को और हवा तब मिली जब रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने संसद में माना कि इतने विशाल और विरल आबादी वाले क्षेत्र पर पहरा देना कठिन है और बलूच लड़ाके बेहतर हथियारों से लैस हैं। उन्होंने कहा कि विद्रोहियों के पास महंगे यंत्र और लाखों डॉलर के हथियार हैं। साथ ही उन्होंने इस पूरे प्रकरण के लिए भारत पर भी आरोप लगाया, हालांकि भारत ने आरोपों को खारिज किया है।

दूसरी ओर, क्षेत्र में हालिया हमलों के बाद चीन ने ग्वादर और बलूचिस्तान के अन्य हिस्सों में अपनी जमीनी गतिविधियां रोक दी हैं। यह कदम वहां काम कर रहे चीनी कर्मचारियों और निवेश की सुरक्षा को लेकर बढ़ती चिंता को दिखाता है। चीन पाकिस्तान आर्थिक गलियारे से जुड़े अनेक ढांचे सीधे निशाने पर हैं, जिससे ग्वादर बंदरगाह फिर तनाव का केंद्र बन गया है। हम आपको बता दें कि ग्वादर कभी एक शांत मछुआरा बस्ती था। 1783 से यह लगभग दो सौ वर्ष तक ओमान के सुल्तान के अधीन रहा। 1958 में समझौते के बाद इसे पाकिस्तान ने लगभग 30 लाख पाउंड देकर अपने अधिकार में लिया। इससे पहले ओमान के सुल्तान ने इसे भारत को देने का प्रस्ताव भी रखा था, जिसे नई दिल्ली ने ठुकरा दिया था। यदि उस समय निर्णय अलग होता तो आज अरब सागर का सामरिक मानचित्र बिल्कुल अलग दिखता।

2017 में ग्वादर बंदरगाह का संचालन 40 वर्ष के पट्टे पर एक चीनी कंपनी को सौंप दिया गया। बंदरगाह की आय का लगभग 91 प्रतिशत हिस्सा उसी कंपनी को जाता है और पाकिस्तान को लगभग 9 प्रतिशत मिलता है। स्थानीय बलूच समुदाय का आरोप है कि जमीन अधिग्रहण, सीमित रोजगार, पर्यावरण हानि और भारी सुरक्षा बंदोबस्त ने उन्हें अपने ही क्षेत्र में पराया बना दिया है। इसलिए ग्वादर उनके लिए विकास नहीं, वंचना का प्रतीक बन गया है।

हम आपको बता दें कि बलूचिस्तान पाकिस्तान के कुल भूभाग का 40 प्रतिशत से अधिक है और खनिज संपदा से भरपूर है, फिर भी यह सबसे गरीब प्रांतों में गिना जाता है। दशकों से बलूच नेताओं का आरोप रहा है कि इस्लामाबाद संसाधन लेता है, पर बदले में विकास और अधिकार नहीं देता। जबरन गायब किए जाने, कड़ी सैन्य कार्रवाई और असहमति पर शिकंजे ने लोगों में अलगाव की भावना को और गहरा किया है।

इसी बीच, अमेरिका समर्थित एक विशाल खनन परियोजना ने इस क्षेत्र को वैश्विक नजरों में ला दिया है। पाकिस्तान ने अमेरिकी निर्यात आयात बैंक के जरिये लगभग 1.3 अरब डॉलर के निवेश आश्वासन हासिल किए हैं।

रेको डिक क्षेत्र में तांबा और सोना खनन की लगभग 7 अरब डॉलर की यह परियोजना 2028 तक उत्पादन शुरू करने की उम्मीद रखती है। इसमें एक कनाडाई कंपनी की 50 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जबकि शेष हिस्सा पाकिस्तानी संघीय उपक्रमों और बलूचिस्तान सरकार के पास है। अनुमान है कि यह परियोजना दशकों में अरबों डॉलर की आय दे सकती है। लेकिन सवाल वही हैदृ क्या स्थानीय जनता को इसका लाभ मिलेगा या यह भी असंतोष की आग में घी डालेगा?

हम आपको बता दें कि ईरान के सिस्तान बलूचिस्तान से लगे इस पूरे पट्टी क्षेत्र में पहले से अस्थिरता रही है। सीमा पार हमले, हथियार और मादक पदार्थ तस्करी तथा सुन्नी उग्रवादी गुटों की गतिविधियां हालात को और जटिल बनाती हैं। कभी कभी दोनों देश एक दूसरे की जमीन पर उग्रवादी ठिकानों को निशाना बनाने के दावे भी करते रहे हैं।

इन सबके बीच पाकिस्तान के नीति गलियारों में एक डर खुलकर सामने आ रहा है कि कहीं एक व्यापक बलूच भूभाग की कल्पना आकार न लेने लगे जो पाकिस्तान और ईरान दोनों के हिस्सों को जोड़ दे। यदि ऐसा हुआ तो यह इलाका खनिज, समुद्री मार्ग और मध्य एशिया पहुंच के कारण अत्यंत सामरिक महत्व का केंद्र बन सकता है। यही कारण है कि इस उभार ने पाकिस्तान की नींद उड़ा दी है। देखा जाये तो बलूचिस्तान आज पाकिस्तान की कमजोर नस बन चुका है।

वर्षों की उपेक्षा, कठोर सैन्य नीति और संसाधनों की असमान लूट ने वहां गहरा असंतोष बोया है जिसकी फसल अब उग्र रूप में सामने है। हर संकट पर बाहरी साजिश का शोर मचाना आसान है, पर अपने घर की दरारों को भरना कठिन।

चीन का निवेश, अब अमेरिका समर्थित खनन और अरब सागर से जुड़ा सामरिक महत्व, इन सबने बलूचिस्तान को विश्व राजनीति का अखाड़ा बना दिया है। पर किसी भी गलियारे, बंदरगाह या खदान से पहले वहां के लोगों का भरोसा जरूरी है। यदि स्थानीय जनता को लगे कि उनकी जमीन, पानी और खनिज पर उनका हक नहीं, तो कोई भी सुरक्षा बंदोबस्त स्थायी शांति नहीं दे सकता।

बहरहाल, पाकिस्तान के लिए यह चेतावनी का समय है। केवल बल से प्रांत नहीं संभलते। राजनीतिक संवाद, न्याय और बराबरी ही टिकाऊ रास्ता हैं। वरना बलूचिस्तान की गूंज दूर तक जाएगी और उसके झटके पूरे क्षेत्र की सामरिक संतुलन को हिला सकते हैं। अभी भी समय है कि इस आग को समझदारी से बुझाया जाए, वरना यह लपटें और ऊंची होंगी।

टी20 विश्व कप2026 से पहले ऑस्ट्रेलिया को बड़ा झटका, स्टार गेंदबाज जोश हेजलवुड टूर्नामेंट से बाहर

ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 से बाहर हो गए हैं, जिसकी सह–मेजबानी भारत और श्रीलंका 7 फरवरी से करने जा रहे हैं। क्रिकेट डॉट कॉम एयू के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई पुरुष राष्ट्रीय टीम के चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने हेजलवुड की हैमस्ट्रिंग चोट के कारण अनुपलब्धता की पुष्टि की और बताया कि उनके स्थान पर किसी और खिलाड़ी का नाम बाद में घोषित किया जाएगा।

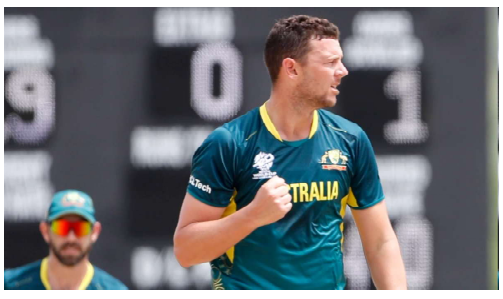

राष्ट्रीय चयनकर्ता टोनी डोडेमाइड ने खुलासा किया कि हेजलवुड को कोलंबो में आयरलैंड के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के पहले मैच से ठीक पांच दिन पहले ऑस्ट्रेलिया की टी20 विश्व कप 2026 टीम में शामिल किया गया था, लेकिन अब 35 वर्षीय तेज गेंदबाज की स्थिति बदल गई है। क्रिकेट डॉट कॉम एयू के अनुसार, डोडेमाइड ने कहा कि हमें उम्मीद थी कि जोश सुपर एट्स चरण तक मैच फिटनेस हासिल कर लेंगे, लेकिन नवीनतम संकेत बताते हैं कि उन्हें अभी कुछ समय लगेगा। उनके फिटनेस प्रोग्राम में जल्दबाजी करना जोखिम भरा होगा। हम तुरंत किसी प्रतिस्थापन खिलाड़ी का नाम नहीं लेंगे। हमें लगता है कि शुरुआती मैचों के लिए हमारे पास पर्याप्त खिलाड़ी हैं, इसलिए हम उस समय की प्राथमिकता के आधार पर कोई भी निर्णय लेंगे। हिजलवुड आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के लिए चोटिल खिलाड़ियों की सूची में साथी तेज गेंदबाज और कप्तान पैट कमिंस के साथ शामिल हो गए हैं, जिससे टूर्नामेंट की शुरुआत में मिशेल मार्श की अगुवाई वाली टीम के पास तेज गेंदबाजी के विकल्प कम हो गए हैं। फिलहाल, दाएं हाथ के तेज गेंदबाज जेवियर बार्टलेट और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शियस ही एकमात्र पूरी तरह से फिट मुख्य तेज गेंदबाज हैं। रिजर्व के तौर पर यात्रा कर रहे शॉन एबॉट को हिजलवुड के प्रतिस्थापन के रूप में टीम में शामिल किया जा सकता है। एडम जम्पा, मैट कुहनेमैन और कूपर कॉनली टूर्नामेंट के लिए ऑस्ट्रेलिया के मुख्य स्पिन विकल्प हैं। ऑस्ट्रेलिया की 2026 आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप टीमः मिच मार्श (कप्तान), जेवियर बार्टलेट, कूपर कॉनॉली, टिम डेविड, बेन ड्वार्शियस, कैमरून ग्रीन, नाथन एलिस, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मैथ्यू कुहनेमैन, ग्लेन मैक्सवेल, मैथ्यू रेनशॉ, मार्कस स्टोइनिस, एडम जम्पा।

अतिरिक्त रिजर्व खिलाड़ीः शॉन एबॉट।

अनुराग ठाकुर के लिए सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत, बीसीसीआई में वापसी का रास्ता हुआ साफ

सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर पर भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) में पद संभालने के प्रतिबंध को हटा दिया। उन्हें क्रिकेट निकाय के अध्यक्ष पद से हटाए जाने के लगभग नौ साल बाद यह कदम उठाया गया। भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने अपने जनवरी 2017 के आदेश में संशोधन किया, जिसमें ठाकुर को बीसीसीआई के कामकाज से जुड़े रहने से रोकने का निर्देश दिया गया था।

ठाकुर की अर्जी को स्वीकार करते हुए, मुख्य न्यायाधीश कांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने टिप्पणी की कि प्रतिबंध का उद्देश्य कभी भी आजीवन अयोग्यता के रूप में कार्य करना नहीं था। अपने आदेश में, सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि यह प्रतिबंध लगभग नौ वर्षों तक जारी रहा और ठाकुर इस मामले में पहले ही बिना शर्त माफी मांग चुके हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि अब बीसीसीआई के नियमों और विनियमों के अनुसार उसके आंतरिक, प्रशासनिक और अन्य मामलों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं। 2 जनवरी 2017 को, ठाकुर को बीसीसीआई अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था क्योंकि हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर निर्वाचन क्षेत्र से सांसद ठाकुर उन्होंने क्रिकेट निकाय में संरचनात्मक और शासन संबंधी सुधारों पर न्यायमूर्ति आर. एम. लोढ़ा समिति की सिफारिशों को लागू करने से इनकार कर दिया था। 2017 के अपने आदेश में, तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश टी. एस. ठाकुर की अध्यक्षता वाली पीठ ने पाया था कि बीसीसीआई नेतृत्व ने सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अनिवार्य सुधारों को लागू करने में बाधक और अवज्ञाकारी रवैया अपनाया था। उस समय, सर्वोच्च न्यायालय ने अनुराग ठाकुर को अध्यक्ष और अजय शिरके को सचिव के रूप में बीसीसीआई के कामकाज से तत्काल संबंध समाप्त करने का निर्देश दिया था, साथ ही ठाकुर के खिलाफ अवमानना घ्घ्की कार्यवाही भी शुरू की थी।

श्याम जायसवाल न सुनील अग्रहरि के साथ गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 का किया शुभारम्भ

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। विधानसभा शोहरतगढ़ अन्तर्गत विकास खण्ड बढ़नी के ग्राम पंचायत मधवानगर में शुक्रवार को "गुरु

गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0" का शुभारम्भ किया गया, जिसके बतौर मुख्य अतिथि वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम जायसवाल एवं नगर पंचायत अध्यक्ष बढ़नी सुनील अग्रहरि ने संयुक्त रूप में फीता काटकर उद्घाटन किया। वहीं गुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य सेवा यात्रा 6.0 उद्घाटन समारोह में वरिष्ठ भाजपा नेता श्याम जायसवाल एवं नगर पंचायत अध्यक्ष बढ़नी सुनील अग्रहरि ने संयुक्त रूप में अपने सम्बोधन में कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार की यह सेवा यात्रा समाज के वंचित एवं जरूरतमन्द वर्ग तक निःशुल्क एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधायें पहुंचाने की एक सराहनीय पहल है। आयोजन से जुड़े सभी चिकित्सकों, स्वयंसेवकों एवं आयोजक साथियों को इस जनकल्याणकारी प्रयास हेतु हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस दौरान संच प्रमुख बब्बू गौतम, समाजसेवी महेश चौधरी, प्रधान राधेश्याम, शिव शंकर सहित तमाम आदि सम्मानित लोग उपस्थित रहें।

छात्र–छात्राओं को बेहतर शिक्षा हासिल कर आगे बढने की है जरूरत : प्रधानाचार्य

दैनिक बुद्ध का संदेश

मिश्रौलिया/सिद्धार्थनगर। विकास क्षेत्र बांसी अन्तर्गत चेतिया चौराहे के बगल स्थित जनता इन्टर कॉलेज परिसर में शुक्रवार को 10वीं एवं 12वीं के बच्चों को विदाई दी गई। वहीं 9वीं और 11वीं के बच्चों के लिए स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ अध्यापक जगन्नाथ श्रीवास्तव ने कहा कि सभी बच्चों को अपने जीवन में एक लक्ष्य को निर्धारित करके आगे बढ़ना चाहिए। चेतिया चौकी प्रभारी प्रदीप कुमार चौहान ने कहा कि शिक्षकों की जिम्मेदारी है कि वह सभी छात्र–छात्राओं को आगे के भविष्य के लिए तैयार करें। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुनील कुमार रंजन ने कहा कि छात्र–छात्राओं को बेहतर शिक्षा हासिल कर आगे बढने की जरूरत है। युवाओं की बेहतरी के लिए सरकार हर सम्भव प्रयास कर रही है और इसका लाभ भी युवाओं को मिल रहा है। उन्होंने छात्र–छात्राओं से शिक्षा को अपनी प्राथमिकता में शामिल करने की सलाह दी। इस दौरान विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने सरस्वती वन्दना, स्वागत गीत, विदाई गीत, हास्य एकांकी, शिव ताण्डव जैसे सांस्कतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया। इस दौरान प्रधानाचार्य सुनील कुमार रंजन सहित विद्यालय के शिक्षक प्रवक्ता लाल चन्द , कुमारी विभा, मुकेश श्रीवास्तव, विष्णु नाथ लाल, चन्द्रभान मौर्य, कमलेश मौर्य, . ष्ण मुरारी यादव, पंकज कुमार श्रीवास्तव, कौशल कुमार, इमरान खान, आशीष श्रीवास्तव एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी मिथुन, सुरेश, कौशल मिश्रा, दीपक, सन्तोष आदि लोग उपस्थित रहें।

केन्द्र सरकार जाति सूचक फिल्मों पर तत्काल लगाये प्रतिबन्ध : शमीम अहमद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश में चार बार की बहुजन समाज पार्टी की सरकार में बहन कु0 मायावती जी ने सर्व समाज के साथ–साथ ब्राह्मण समाज को भी उचित प्रतिनिधित्व देते हुए सम्मान देने का काम किया। यही वजह है कि ब्राह्मण समाज इस बार भी बड़ी आशा भरी निगाहों से बहन जी की तरफ देख रहा है। उक्त बातें बहुजन समाज पार्टी के पूर्व जिला महासचिव शमीम अहमद ने कहीं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में दलितों पिछड़ों अल्पसंख्यकों के साथ–साथ ब्राह्मणों का भी अपमान पूरे देश और प्रदेश में हो रहा है, जिस पर बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री बहन कुमारी मायावती जी ने ट्वीट करके कहा कि यह बड़े दुख व चिन्ता की बात है कि पिछले कुछ समय से अकेले उत्तर प्रदेश ही नहीं बल्कि अब तो फिल्मों में भी पंडित को घुसपैठी बताकर पूरे देश में जो उनका अपमान व अनादर किया जा रहा है। जिससे समूचे ब्राह्मण समाज में इस समय जबरदस्त रोष व्याप्त है, जिसकी बहुजन समाज पार्टी कडे शब्दों में निन्दा करती है व केन्द्र सरकार से मांग करती है कि ऐसे जाति सूचक फिल्म पर तुरन्त प्रतिबन्ध लगाया जाना चाहिए।

महिला ने बरगद का पेड़ काटने का लगाया आरोप, एसपी से की शिकायत

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। जनपद के कोतवाली क्षेत्र के चननी सियारोवास निवासी महिला विजयलक्ष्मी ने गांव में स्थित लगभग 150 वर्ष पुराने बरगद के पेड़ को काटने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से शिकायत की है। प्रार्थिनी विजय लक्ष्मी पत्नी दिलीप कुमार निवासी चननी कि 5 फरवरी 2026 को दोपहर करीब 1:30 बजे वह सियारोवास ने दिए प्रार्थना पत्र में बताया मौजा बरसांव में उनकी सास चन्द्रावती देवी के नाम अपने मायके जा रही थीं। इसी दौरान हेक्टेयर भूमि पर खड़े पुराने बरगद के पेड़ को रामू दर्ज गाटा संख्या 256 रकबा 0.2430 लोगों द्वारा काटा जा रहा था। विरोध करने पर आरोप प्रसाद पुत्र छट्टीराम व दो–तीन अज्ञात हुए मारपीट की तथा जमीन में तेजाब डालने की धमकी है कि उक्त लोगों ने गाली–गलौज करते सूचना स्थानीय थाने को दी गई, लेकिन कोई कार्रवाई दी। पीड़िता का कहना है कि घटना की मामले में मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई कराने नहीं हुई। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से की मांग की है।

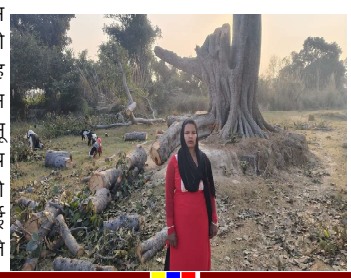

नीलगाय से टकराई थार, नगर पंचायत परतावल के अध्यक्ष प्रतिनिधि समेत पांच घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/परतावल। नगर पंचायत परतावल के अध्यक्ष प्रतिनिधि सतीश मद्धेशिया समेत पांच लोग गुरुवार देर रात सड़क हादसे में घायल हो गए। लखनऊ से लौटते समय गुलरिहा थाना क्षेत्र के बरगदही शिव मंदिर के पास अचानक सामने आई नीलगाय से बचने के प्रयास में उनकी थार गाड़ी अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में अध्यक्ष प्रतिनिधि सतीश मद्धेशिया, व्यापार मंडल परतावल के बलराम गुप्ता, देवराज, धीरज तथा कमालुद्दीन घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। स्थानीय लोगों की तत्परता से सभी घायलों को तत्काल गोरखपुर स्थित सिसौदिया अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार सभी घायलों की स्थिति फिलहाल स्थिर है और खतरे से बाहर बताए जा रहे हैं। घटना की जानकारी मिलते ही परिजन व परिचित बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दुर्घटनास्थल का निरीक्षण कर लिया है और हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ जनपद में निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर)-2026 अभियान की अद्यतन स्थिति एवं प्रगति की समीक्षा से संबंधित बैठक हुई आयोजित

दैनिक बुद्ध का संदेश

संत कबीर नगर। जिला निर्वाचन अधिकारी /जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों के साथ जनपद के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों में निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) –2026 कार्य की अद्यतन स्थिति एवं प्रगति की समीक्षा से संबंधित बैठक जिलाधिकारी कक्ष में आयोजित हुई। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी (न्यायिक) चंद्रेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने उपस्थित राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को अवगत कराते हुए कहा कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार अर्हता तिथि 01 जनवरी 2026 के आधार पर जनपद के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) का कार्य चल रहा है। जिसके तहत जनपद के विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची के आलेख्य के प्रकाशन के बाद छूटे हुए एवं पात्र मतदाताओं का नाम मतदाता सूची में जोड़ने तथा मतदाता सूची को परिष्कृत बनाए जाने की दिशा में चलाए जा रहे अभियान के क्रम में पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दावे और आपत्तियों को प्राप्त करने की आज दिनांक 06 फरवरी 2026 अंतिम तिथि है। बैठक में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा उपस्थित राजनैतिक दलों के पदाधिकारियों को फॉर्म–5, फॉर्म –6 एवं फार्म –7 साथ भरने व जमा करने से संबंधित निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित प्रक्रियागत दिशा–निर्देशों के बारे में विस्तार से अवगत कराया। उन्होंने कहा की व्यक्तिगत रूप से अथवा बीएलए के माध्यम से फॉर्म्स को सबमिट करने के सही तरीके पर ध्यान देने की आवश्यकता है। जिलाधिकारी ने नो–मैपिंग का आंकड़े वार डाटा सभी राजनैतिक दलों को उपलब्ध कराने हेतु सहायक निर्वाचन अधिकारी को निर्देशित किया। उल्लेखनीय है कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार दावे और आपत्तियों को प्राप्त करने की आज दिनांक 06 फरवरी 2026 अंतिम तिथि है, प्राप्त दावे और आपत्तियों पर दिनांक 27 फरवरी 2026 तक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी द्वारा सुनवाई एवं वेरिफिकेशन करने की अवधि निर्धारित की गई है। दिनांक 03 मार्च 2026 तक मतदाता सूची की जांच एवं निर्वाचन आयोग की अनुमति प्राप्त करते हुए दिनांक 06 मार्च 2026 को मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन किए जाने की तिथि निर्धारित की गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बैठक में उपस्थित समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए निर्वाचक नामावलियों के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य में सहयोग की अपेक्षा व्यक्त किया। इस अवसर पर पूर्व प्रदेश सचिव समाजवादी पार्टी रामदरश, जिला अध्यक्ष अपना दल (यस) सचिन सिंह सैंथवार, जिला उपाध्यक्ष भाजपा आदित्य प्रताप यादव, जिला उपाध्यक्ष कांग्रेस सुनील पांडेय, जिला महासचिव आम आदमी पार्टी ब्रह्मदेव सिंह सैंथवार, जिला सचिव बसपा अभिषेक कुमार, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी हैदर अब्बास रिजवी सहित संबंधित आदि उपस्थित रहे।

तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का मंगलवार को हुआ भव्य समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। रामनगर खजुरी में तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव का भव्य समापन, विराट कवि सम्मेलन ने समां बांधा था। विकासखंड क्षेत्र के ग्राम रामनगर खजुरी स्थित राम नारायण सिंह इंटर कॉलेज में आयोजित तीन दिवसीय वार्षिकोत्सव कार्यक्रम का मंगलवार को भव्य समापन हुआ। वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन देर शाम विद्यालय परिसर में एक विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें हास्य, ओज और श्रृंगार रस के कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कवि सम्मेलन में प्रस्तुत कविताओं पर पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। जनपद के साथ–साथ आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी और श्रोता कार्यक्रम में उपस्थित रहे। तीसरे दिन आयोजित समापन समारोह में पयागपुर विधायक सुभाष त्रिपाठी मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने विद्यालय परिवार को इस उत्कृष्ट आयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि इस तरह के कार्यक्रम विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।समापन अवसर पर विधायक सुभाष त्रिपाठी द्वारा विद्यालय की वार्षिक पत्रिका "नारायण ज्योति" का विमोचन भी किया गया,साथ ही साथ विद्यालय की परम्परा के अनुसार हाई स्कूल व इंटर मीडिएट में विद्यालय में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थियों को गोल्ड मेडल देकर किया गया सम्मानित।हाई स्कूल में सर्वोच्च अंक पाने वाला विद्यार्थी अवनीश शुक्ला, शिखा और इंटर मीडिएट में सर्वोच्च अंक पाने वाले छात्र,सत्यम पटेल, को मिला स्वर्ण पदक, वहीं सवर्ण आर्मी चीफ सर्वेश पाण्डेय ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि राम नारायण सिंह इंटर कॉलेज में यह वार्षिकोत्सव कार्यक्रम कई वर्षों से निरंतर आयोजित किया जा रहा है, जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों एवं क्षेत्रवासियों में साहित्य, संस्कृति और कला के प्रति रुचि को बढ़ावा देना है। ऐसे साहित्यिक व सांस्कृतिक आयोजनों से क्षेत्र में सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा मिलती है। कार्यक्रम में प्रबंध समिति के प्रबंधक प्रदीप सिंह, प्रबंध समिति के सदस्य दिलीप सिंह, अशोक सिंह, उत्कर्ष सिंह, प्रधानाचार्य गिरजा शंकर पांडेय, साहित्य परिषद अध्यक्ष राजेश चौबे, उपप्रधानाचार्य गिरिवर त्रिपाठी सहित अध्यापकगण मिथिलेश कुमार, राकेश मिश्रा, अमर बहादुर पटेल, हरिओम शुक्ला, अरुण कुमार, शिव कुमार यादव, अभिषेक, नारायण देव द्विवेदी, निर्मल भारती एवं अन्य शिक्षक उपस्थित रहे। मौजूद जनसमूह ने ऐसे आयोजनों को निरंतर जारी रखने की सराहना की।7

सेंट जोसेफस स्कूल सिसवा में भावनाओं के संग यादगार विदाई समारोह, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन

दैनिक बुद्ध का संदेश

महराजगंज/सिसवा बाजार। जनपद महराजगंज के सिसवा नगर पालिका परिषद क्षेत्र स्थित सेंट जोसेफस सीनियर सेकेंडरी स्कूल में शुक्रवार को कक्षा 12 के विद्यार्थियों के सम्मान में भव्य एवं भावनात्मक विदाई समारोह का आयोजन किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रेरक संदेशों और स्मृतियों के संग यह दिन विद्यार्थियों के जीवन में एक अविस्मरणीय अध्याय बन गया।कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के चेयरमैन ओ.ए. जोसेफ, प्रबंधक बिन्सी जोसेफ, प्रधानाचार्य बैजू चेरियन,शिवेंद्र सिंह,फणीन्द्र कुमार मिश्र, इंचार्ज मुन्ना पांडेय,धनंजय मिश्र तथा कक्षा 12 के विद्यार्थियों द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया।

इस अवसर पर चेयरमैन ओ.ए. जोसेफ ने कहा कि विदाई का यह क्षण खुशी और विषादकृ दोनों भावनाओं का संगम होता है। एक ओर विद्यालय से बिछड़ने का भाव होता है, तो दूसरी ओर जीवन में नए सपनों और नए आयामों की ओर कदम बढ़ाने की खुशी। उन्होंने विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि जीवन में ऊंचाइयों को छूने के लिए कभी–कभी अपनों से दूर रहकर भी संघर्ष करना पड़ता है।अंग्रेजी प्रवक्ता फणीन्द्र कुमार मिश्र ने विद्यार्थियों को रचनात्मक और सृजनात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि देश और समाज के भविष्य की जिम्मेदारी इन्हीं युवाओं के कंधों पर है, इसलिए लक्ष्य के प्रति समर्पण और नैतिक मूल्यों को सदैव बनाए रखें। गमगीन माहौल को खुशनुमा बनाने के लिए जूनियर विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए, जिन्होंने उपस्थित सभी लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का सफल संचालन सुहानी गुप्ता, प्रतिभा गुप्ता, एंजलो बैजू एवं यशवर्धन पांडे ने किया। प्रधानाचार्य बैजू चेरियन ने विद्यार्थियों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि विदाई समारोह जीवन के उन पलों में से एक है, जहां खुशी और उदासी, सफलता और संघर्षकृसभी भावनाएं एक साथ सजीव हो उठती हैं। इन भावनाओं को आत्मसात कर आगे बढ़ना ही परिपक्वता का प्रतीक है। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अपने–अपने सपनों को साकार करने का संकल्प भी लिया। कार्यक्रम में विद्यालय के ए.बी. सर, भुनेश्वर मिश्र, राजकुमार सिंह, प्रदीप रौनियार, फणीन्द्र मिश्र, प्रेम सागर चौबे,अवनीश मिश्रा, अनिल पांडे, पीयूष त्रिपाठी, पुंडरीक गुप्ता, संतोष वर्मा, सतीश त्रिपाठी, अजीत बारीक, मनोज चौरसिया, गंगा दुबे, अमृता पाठक, मनीष श्रीवास्तव, तमजिद अली, राधेश्याम, भुवाल गुप्ता, मंशा गुप्ता, मनोरमा जायसवाल, अनूप रौनियार, रंजना त्रिपाठी,शिव चौहान, पूर्णिमा शाही, संतोष तिवारी, रवीना खातून, अविरामी देवराज,विशाल जायसवाल,ओम प्रकाश वर्मा, वीरेंद्र त्रिपाठी, संजय गुप्ता,अशोक पांडे, एबी सर,सिनसी पीटर,नीतेश श्रीवास्तव, ललितेश गुप्ता, रमा श्रीवास्तव, स्नेहा एवं मनोज सहित विद्यालय के सभी शिक्षक–शिक्षिकाएं तथा बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।विदाई समारोह अपने पीछे यादों, प्रेरणाओं और शुभकामनाओं की अमिट छाप छोड़ गया।

ब्लाक संसाधन केंद्र पर चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ समापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

पयागपुर/बहराइच। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी आशीष कुमार सिंह, खंड शिक्षा अधिकारी डाली मिश्रा तथा मुख्य बाल विकास परियोजना अधिकारी विमला देवी के निर्देशन में ब्लॉक संसाधन केंद्र पर चल रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आज समापन हो गया। कार्यक्रम का आयोजन स्पेशल टीचर राजेश कुमार पटेल तथा आरती सिंह ने किया तथा कार्यकत्रियों को प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर राजेश कुमार मिश्र ने दिया खंड शिक्षा अधिकारी डाली मिश्रा ने बताया कि विकास क्षेत्र की 50 कार्यकत्रियों को तीन दिवसीय समावेशी शिक्षा का प्रशिक्षण दिया गया है जिसमें दिव्यांग बच्चों की स्क्रीनिंग तथा उनकी पहचान व उनका चिकित्सक की देखरेख में मदद करना, इसके साथ ही साथ अपने केंद्र पर शिक्षा देने के बारे में विस्तार रूप से प्रशिक्षित किया गया है। अब यह सभी कार्यकत्रियां अपने केंद्र पर जाकर के बच्चों का स्क्रीनिंग करेंगी तथा उन्हें यथोचित उनकी मदद करेंगी और अपने केंद्र पर शिक्षण व्यवस्था भी करेंगी स प्रशिक्षण के अंत में स्पेशल टीचर राजेश कुमार पटेल तथा आरती सिंह, मुख्य सेविका सपना मौर्या कार्यालय सहायक सुनील त्रिपाठी, प्रभुदयाल मिश्र, लिपिक राजेंद्र चक्रवर्ती, आशीष सिंह,रोहित शुक्ला, पंकज तिवारी, ने समावेशी शिक्षा का माड्यूल वितरित किया स प्रशिक्षण कार्यक्रम मे मृणालिनी शुक्ला,आशा त्रिपाठी, उषा पाण्डेय, कमलेश कुमारी वर्मा, रीना, मीना, पुष्पा, ममता, पूनम सिंह आदि कार्यकत्रियों ने प्रतिभाग किया।

व्यवस्थित और शान्ति पूर्ण मतदान के बाद अधिवक्ताओ ने चुनाव अधिकारियों को किया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। विगत दिनों हुये राज्य विधिज्ञ परिषद् उ०प्र० के चुनाव में जनपद–गोण्डा के प्रभारी चुनाव अधिकारी के रूप में विशेष जनपद न्यायाधीश एस०सी०एस० टी० तथा सहायक चुनाव अधिकारी के रूप में प्रथम अपर जनपद न्यायाधीश क्रमशः एस.पी. सिंह व नम्रता अग्रवाल द्वारा सुचारू रूप से व्यवस्थित मतदान एवं शान्ति पूर्वक करवाकर अपने दायित्वों का सफल निर्वाहन किया गया के बावत बार एसोसिएशन,गोन्डा द्वारा कार्यक्रम आयोजित करके उनके सकुशल शान्तिपूर्ण मतदान कराने के लिये मोमेन्टों देकर सम्मानित किया।कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारीगण पूर्व पदाधिकारीगण व सम्मानित अधिवक्तागण द्वारा भी माल्यार्पण करके अपने–अपने विचार भी व्यक्त किये गये।कार्यक्रम में वरिष्ठ अधिवक्ता सुभाष चन्द्र पाण्डेय,इकबाल बहादुर श्रीवास्तव, जगन्नाथ शुक्ल, चन्द्रमणि तिवारी, भगवती प्रसाद पाण्डेय,प्रदीप मिश्र,राजेश ओझा,मनोज कुमार श्रीवास्तव,हिमांशु ओझा,आशीष श्रीवास्तव, मनीष सिंह,संदीप तिवारी, विनय शुक्ल अक्षत,महेन्द्र सिंह, अवधेश शुक्ल,लाल बिहारी शुक्ल,सुनील पाण्डेय आदि अधिवक्तागण उपस्थित रहे। सम्मानित किया गया तथा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

इस मौके पर बार एसोसिएशन गोण्डा के अध्यक्ष राम बुझारथ द्विवेदी तथा महामंत्री संजय कुमार सिंह द्वारा द्वय न्यायाधीश महोदय को पुष्पगुच्छ,अंगवस्त्र, देव चित्र व

श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई संत शिरोमणि रविदास जयंती, वक्ताओं ने उनके विचारों को अपनाने का किया आह्वान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। विकासखंड साउघाट के ग्राम गंधार स्थित अंबेडकर पार्क में संत शिरोमणि रविदास जी की जयंती श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक चेतना के संदेश के साथ मनाई गई। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों और सामाजिक कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही। आयोजन का नेतृत्व कन्हैया लाल कोटेदार (अध्यक्ष), भावी प्रधान पद के प्रत्याशी अरुण राज एवं कोषाध्यक्ष दिवाकर , विनीत कुमार ने किया। कार्यक्रम का सफल संचालन सूरज कुमार द्वारा किया गया।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल और ब्लॉक प्रमुख अभिषेक कुमार ने कहा कि संत रविदास जी जैसे महापुरुषों ने समाज को समानता, भाईचारा और मानवता का मार्ग दिखाया। उनके विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं और हमें उनके बताए रास्ते पर चलकर समाज को आगे बढ़ाने का संकल्प लेना चाहिए। जयंती समारोह में सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने विशेष आकर्षण का केंद्र बनाया। राष्ट्रीय मिशन के गायक शशी भैरवी, दीपमाला और विश्वजीत ने अपनी टीम के साथ सामाजिक चेतना से ओतप्रोत गीतों की प्रस्तुति दी। गीतों के माध्यम से संत रविदास जी के विचारों, सामाजिक समरसता और नशामुक्त समाज का संदेश लोगों तक पहुँचाया गया, जिसे उपस्थित लोगों ने खूब सराहा। इस अवसर पर भावी प्रधान प्रत्याशी अरुण राज, कन्हैया लाल कोटेदार एवं दिवाकर ने संयुक्त रूप से कहा कि संत रविदास जी के विचारों को जीवन में अपनाकर ही समाज को प्रगति की दिशा में ले जाया जा सकता है। उन्होंने लोगों से नशा जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहने, बच्चों को शिक्षा की ओर प्रेरित करने और एक जागरूक समाज के निर्माण में योगदान देने की अपील की। कार्यक्रम में संदीप गोयल एडवोकेट, अवनीश अंबेडकर, बबलू विकास, जगराम, रमेश चंद्र, कपूर चंद, क्रांति कुमार, सचिन कुमार, अमित लाल वा अन्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

नगर कोतवाली अन्तर्गत लोडर में शव मिलने फैली सनसनी,मौके पुलिस टीम जांच में जुटी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। गोण्डा जनपद में शुक्रवार को थाना कोतवाली नगर क्षेत्र अन्तर्गत मेडिकल कॉलेज के पास खड़े लोडर में एक व्यक्ति का शव मिलने से सनसनी फैल गई।स्थानीय लोगों ने सूचना पुलिस को दी तो सीओ सिटी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थलीय निरीक्षण करके घटना की जानकारी ली।जांच में सामने आया कि वाहन पर बाराबंकी जिले का नंबर प्लेट लगा है नम्बर प्लेट पर मिट्टी का लेप लगाकर पहचान छिपाने की कोशिश की गई थी। चर्चा के मुताबिक बताया जा रहा है कि वाहन मवेशियों के लाने और ले जाने में इस्तेमाल होता था।पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।वाहन सीज कर दिया गया है।आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाली जा रही है।पुलिस के अनुसार हर पहलुओं पर जांच जारी है।शव विच्छेदन रिपोर्ट आने के बाद मौत का कारण स्पष्ट होगा।वहीं एएसपी पूर्वी मनोज कुमार ने बताया कि शव की पहचान मनोज कुमार थाना बदोसराय जिला बाराबंकी के रूप में हुई है। पुलिस ने परिवार को सूचना दे दी है। एएसपी पूर्वी मनोज कुमार ने बताया की अभी घटना का कारण पता नहीं चला है जांच जारी है टीमें गठित कर जल्द से जल्द खुलासा किया जाएगा।

नीलगाय पशु कर रही फसलों का नुकसान, अन्नदाता हो रहें परेशान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। तहसील शोहरतगढ़ अन्तर्गत खेतों में इस समय नीलगाय के झुण्ड से किसान परेशान हैं। आपको बता दें कि विकास खण्ड बढ़नी के गजेहड़ी, मिश्रौलिया, हृदय नगर, धनौरा, धनौरी, बरगदवा, मधवा नगर सहित अन्य गांवों में नीलगायों के झुण्ड गेहूं व दलहन की फसलों को बर्बाद कर दे रहे हैं। झुण्ड बनाकर जब खेतों में दौड़ते हैं तो फसल चौपट हो जा रही है। जिससे किसानों का बहुत ज्यादा नुकसान हो रहा है। क्षेत्र के कुछ किसान फसल की सुरक्षा के लिए खेतों के किनारे कटीले तार लगा दिये हैं। परन्तु जिन किसानों ने खेतों में कटीले तार नहीं लगाये हैं, उनका फसल को नीलगाय काफी नुकसान पहुंचा रही हैं। किसान राकेश चौधरी, राजकुमार, इस्माइल, राजेन्द्र, पुजारी, राम उजागर, रामदीन सहित अन्य किसानों ने बताया कि नीलगायों की वजह से सारी मेहनत पर पानी फिर जा रहा है।

उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी में ABVP का 'स्क्रीन टाइम, एक्टिव टाइम' अभियान शुरू, मोबाइल छोड़ खेल मैदान में लौटने का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। मंडलीय मुख्यालय के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी में शुक्रवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के तत्वावधान में 'स्क्रीन टाइम, एक्टिव टाइम' अभियान का जोरदार आगाज हुआ। इस अवसर पर आयोजित कार्यशाला में छात्रों को मोबाइल की लत से दूर रहकर सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास को बढ़ावा देना तथा डिजिटल दुनिया के दुष्प्रभावों से बचाना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि पुलिस उप महानिरीक्षक संजीव त्यागी एवं विशिष्ट अतिथि महिला थाना अध्यक्ष डॉ. शलिनी सिंह के स्वागत के साथ हुई। विद्यालय के प्रबंध निदेशक विनय शुक्ल ने अतिथियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इस दौरान विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों का उत्साह देखने लायक था और उन्होंने तालियों की गड़गड़ाहट से अतिथियों का स्वागत किया। अपने संबोधन में विद्यालय के प्रबंध निदेशक विनय शुक्ल ने कहा कि आज की युवा पीढ़ी मोबाइल स्क्रीन में इस कदर उलझ गई है कि उनका शारीरिक और मानसिक विकास प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि तकनीक का उपयोग जरूरी है, लेकिन उसका संतुलित प्रयोग ही विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कुंजी है। उन्होंने इस तरह के जागरूकता कार्यक्रमों को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि इससे छात्रों में सकारात्मक बदलाव आएगा और

वे खेल, योग व अन्य रचनात्मक गतिविधियों की ओर आकर्षित होंगे। मुख्य अतिथि पुलिस उप महानिरीक्षक संजीव त्यागी ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल युग में मोबाइल का महत्व बढ़ा है, लेकिन अत्यधिक उपयोग से स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। उन्होंने विद्यार्थियों को समय प्रबंधन का महत्व समझाते हुए पढ़ाई, खेलकूद और तकनीक के बीच संतुलन बनाने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन ही सफलता का आधार है। विशिष्ट अतिथि महिला थाना अध्यक्ष डॉ. शलिनी सिंह ने छात्राओं को 'मिशन शक्ति' अभियान और साइबर सुरक्षा के विषय में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अनावश्यक स्क्रीन टाइम से न केवल स्वास्थ्य प्रभावित होता है, बल्कि साइबर अपराधों का खतरा भी बढ़ता है। उन्होंने छात्राओं को सोशल मीडिया के सुरक्षित उपयोग, ऑनलाइन ठगी से बचाव और आपात स्थिति में पुलिस हेल्पलाइन का उपयोग करने के बारे में जागरूक किया। एबीवीपी के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने 'स्क्रीन टाइम, एक्टिव टाइम' अभियान के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को खेलकूद, योग और व्यायाम के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने उदाहरणों के माध्यम से बताया कि नियमित शारीरिक गतिविधियों से एकाग्रता बढ़ती है, तनाव कम होता है और पढ़ाई में भी बेहतर प्रदर्शन होता है। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के सैकड़ों छात्र–छात्राओं ने सामूहिक रूप से संकल्प लिया कि वे प्रतिदिन कम से कम एक घंटा खेल के मैदान में बिताएंगे और अनावश्यक मोबाइल उपयोग से दूरी बनाएंगे। इस दौरान पूरे परिसर में सकारात्मक ऊर्जा और जागरूकता का माहौल देखने को मिला। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्या, शिक्षकगण, एबीवीपी के जिला स्तरीय पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विद्यालय प्रबंधन और एबीवीपी टीम की सराहना की गई। यह कार्यशाला विद्यार्थियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुई।

जनता की आवाज़ को प्राथमिकता : एसपी ने जनता दर्शन में समस्याएं सुनकर दिए त्वरित निस्तारण के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा' द्वारा पुलिस कार्यालय में शुक्रवार को आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम के दौरान जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं धैर्यपूर्वक सुना गया। जनता दर्शन में उपस्थित फरियादियों द्वारा भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, धोखाधड़ी सहित अन्य पुलिस संबंधी समस्याओं से पुलिस अधीक्षक सोनभद्र को अवगत कराया गया। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र द्वारा प्रत्येक फरियादी की समस्या को व्यक्तिगत रूप से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को निष्पक्ष, समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों का निस्तारण संवेदनशीलता, पारदर्शिता एवं कानून के दायरे में किया जाए तथा किसी भी फरियादी को अनावश्यक रूप से परेशान न किया जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिए गए कि जिन प्रकरणों में त्वरित कार्यवाही अपेक्षित है, उनमें तत्काल प्रभाव से कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जनता दर्शन कार्यक्रम के माध्यम से आमजन की समस्याओं को सीधे सुनकर समाधान करने का उद्देश्य पुलिस.जन संवाद को सशक्त बनाना तथा आम जनता में पुलिस के प्रति विश्वास को और अधिक मजबूत करना है।

क्षेत्राधिकारी द्वारा छात्र–छात्राओं को साइबर अपराध, यातायात नियम एवं पुलिस हेल्पलाइन के प्रति किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। क्षेत्राधिकारी ओबरा अमित कुमार' द्वारा थाना ओबरा क्षेत्रान्तर्गत स्थित "बतमक भ्मंतज ब्वदअमदज" बीववस में शुक्रवार छात्र–छात्राओं को पुलिस सहायता से संबंधित विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों, साइबर अपराधों से बचाव एवं यातायात नियमों के पालन के संबंध में जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान क्षेत्राधिकारी ओबरा द्वारा बच्चों को बताया गया कि किसी भी आपात स्थिति में डायल 112, महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा हेतु 1090/1091, तथा साइबर अपराध से संबंधित शिकायत के लिए 1930 हेल्पलाइन नंबर एवं cybercrime-gov-in पोर्टल का किस प्रकार उपयोग किया जाए। बच्चों को ऑनलाइन ठगी, फर्जी कॉल, ओटीपी साझा न करने, सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित रखने तथा संदिग्ध लिंक से बचने के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। इसके अतिरिक्त यातायात नियमों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए हेलमेट, सीट बेल्ट, ज़ेब्रा क्रॉसिंग, ट्रैफिक सिग्नल एवं सड़क सुरक्षा से जुड़े नियमों के पालन हेतु प्रेरित किया गया। बच्चों को बताया गया कि छोटी–छोटी सावधानियां अपनाकर बड़े हादसों से बचा जा सकता है। क्षेत्राधिकारी ओबरा द्वारा छात्र–छात्राओं को जागरूक, सतर्क एवं जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय के प्रधानाचार्य एवं शिक्षकगण भी उपस्थित रहे तथा पुलिस द्वारा चलाए जा रहे जनजागरूकता अभियानों की सराहना की गई।

भगवान हनुमान जी की मूर्ति की हुई प्राण प्रतिष्ठा

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। सदर विकास खंड अंतर्गत ग्राम सभा परासी पांडेय के खैरही मौजा में संकट मोचन मंदिर का निर्माण पूर्ण होने के उपरांत भगवान हनुमान जी की मूर्ति की विधिवत प्राण प्रतिष्ठा संपन्न हुई। इस अवसर पर धार्मिक अनुष्ठान व पूजा–अर्चना के साथ क्षेत्र की सुख–समृद्धि की कामना की गई। कार्यक्रम में एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सचिव राघवेंद्र नारायण ने संकट मोचन प्रभु हनुमान जी की पूजा कर क्षेत्र व देशवासियों के कल्याण की प्रार्थना की। इस अवसर पर कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष अमरेश देव पांडेय, आरटीआई के अध्यक्ष श्रीकांत मिश्रा, ग्राम प्रधान चंद्र किशोर देव पांडेय, लरेंस एथोनी, हेमनाथ दुबे, मुनव्वर अली, बल्लू कोल, प्रदीप कोल, रियाजुल हुसैन, उमेश बियार, लालजी बियार, सुरेश कुमार सिंह, दद्दू बियार, अर्जुन बियार, चंपा देवी, दुलारी देवी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सभा को संबोधित करते हुए राघवेंद्र नारायण ने कहा कि आज के समय में जब कुछ ताकतें समाज को धार्मिक और जातीय आधार पर बांटने का प्रयास कर रही हैं, ऐसे में संकट मोचन मंदिर की स्थापना में मुनव्वर अली और बल्लू कोल का योगदान न केवल सराहनीय बल्कि अनुकरणीय है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के कार्य सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं। समाज को ऐसे उदाहरणों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र और क्षेत्र के विकास के लिए आगे आना चाहिए, ताकि देश में गंगा–जमुनी तहज़ीब सदैव कायम रहे।

कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। भूपेश चौबे, विधायक व जिलाधिकारी के निर्देशानुसार कृत्रिम अंग व सहायक उपकरण वितरण शिविर का आयोजन ब्लड बैंक, लोढ़ी, के समीप किया गया। उक्त शिविर में मुख्य अतिथि भूपेश चौबे, विधायक के कर–कमलो द्वारा 51 ट्राईसाईकिल, 03 व्हील चेयर, 36 जोड़ी बैसाखी, 01 लेप्रोसी कीट व 03 कान की मशीन एवं बचपन डे केयर सेन्टर में पंजी.त दिव्यांग 04 बच्चो को ड्रेस, बैग, जूते इत्यादी का वितरण किया गया साथ ही विधायक के प्रयास से विधायक के साथ कार्यक्रम में प्रतिभाग किये गये 15 व्यक्तियों द्वारा ब्लड डोनेशन किया गया। उक्त वितरण व ब्लड डोनेशन कार्यक्रम में विद्या देवी, जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी, प्रधानाचार्य मेडिकल कालेज, व विधायक प्रतिनिधि विकास मिश्रा व दिव्यांगजन कार्यालय के सुयश कुमार शुक्ला, सहायक अध्यापक एल0टी0ग्रेड कनिष्ठ सहायक, गोलू कुमार, विनय कुमार शर्मा, मोहम्मद तलहा, बचपन डे केयर सेन्टर के राहुल कुमार व अन्य समस्त कर्मचारी उपस्थित रहे।

खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत गेहूं एवं चावल के वितरण स्केल में किया गया परिवर्तन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव गुप्ता ने अवगत कराया है कि माह फरवरी 2026 हेतु राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 के अन्तर्गत गेहूं एवं चावल के वितरण स्केल में परिवर्तन किया गया है। ध्रुव गुप्ता) अपर आयुक्त महोदय के उपर्युक्त निर्देश के अनुपालन में जनपद के अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी कार्डधारकों को संसूचित किया जाता है कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम–2013 योजनान्तर्गत माह फरवरी 2026 के वितरण स्केल में परिवर्तन किया गया है। उन्होंने बताया कि अन्त्योदय कार्ड धारकों को खाद्यान्न की देय मात्रा प्रति कार्ड वर्तमान में गेहूं की मात्रा 14 किग्रा0 परिवर्तित मात्रा 10 किग्रा, चावल का मात्रा 21 किग्रा0 तथा परिवर्तित मात्रा 25 किग्रा0 है। इसी प्रकार से पात्र गृहस्थी कार्ड धारकों को खाद्यान्न की देय मात्रा प्रति यूनिट गेंहॅ वर्तमान में 02 किग्रा0 परिवर्तित 01 किग्रा0 तथा चावल का मात्रा वर्तमान में 3 किग्रा0 तथा परिवर्तित मात्रा 04 किग्रा0 निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि .ष्टिगत जनपद में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के अन्तर्गत पात्रता सूची में सम्मिलित समस्त अन्त्योदय एवं पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारको को सूचित किया जाता है कि माह फरवरी 2026 हेतु अन्त्योदय योजना के कार्डधारक प्रति कार्ड 25 किग्रा0 चावल एवं 10 किग्रा0 गेहॅू तथा पात्र गृहस्थी योजना के कार्डधारक प्रति यूनिट 04 किग्रा0 चावल एवं 01 किग्रा0 गेहॅू संबंधित उचित दर की दुकान से निःशुल्क प्राप्त करना सुनिश्चित करें। उक्त निःशुल्क वितरण में हो रही किसी भी प्रकार की शिकायत के सम्बन्ध में जिला पूर्ति कार्यालय अथवा संबंधित उपजिलाधिकारी कार्यालय या विभागीय टोल फ्री नम्बर 1800–1800–150 पर की जा सकती है। जनपद के समस्त उचित दर विक्रेताओं को निर्देशित किया जाता है कि वह माह फरवरी 2026 के लिए आवंटित खाद्यान्न का निःशुल्क वितरण करना सुनिश्चित करें। वितरण में प्राप्त किसी भी प्रकार की शिकायत को गम्भीरता से लेते हुए संबंधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जायेगी।

एमएसएमई उद्यमियों के लिए विशेष शिविर 7 फरवरी को, मौके पर मिलेगा ऋण स्वीकृति पत्र'

देवरिया। अग्रणी जिला प्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया आर. एस. प्रेम ने बताया कि सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के क्षेत्रीय कार्यालय की ओर से एमएसएमई क्षेत्र को बढ़ावा देने तथा 'आत्मनिर्भर भारत' के लक्ष्य को सशक्त बनाने के उद्देश्य से जिला स्तरीय विशेष एमएसएमई शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर 07 फरवरी को सायं 3 बजे होटल गोल्डन लारेल, स्टेशन के सामने, देवरिया में आयोजित होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य व्यापार एवं उद्योग से जुड़े विभिन्न वर्गों को बैंकिंग सुविधाओं तथा ऋण योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान करना है। साथ ही पात्र लाभार्थियों को मौके पर ही ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए जाएंगे। उन्होंने उद्यमियों, व्यापारियों एवं इच्छुक लाभार्थियों से शिविर में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करने की अपील की है।

जब भक्तों पर अत्याचार होता है तब निराकार परमात्मा का अवतार होता हैः मनीष शरण जी महाराज

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। गायत्री भवन तेजनगर, उरमौरा में चल रहे श्रीमद्भागवत कथा में पांचवें दिन शुक्रवार को अयोध्या धाम से पधारे मनीष शरण जी महाराज ने कहा कि जब भक्तों पर अत्याचार होता है तब निराकार परमात्मा का अवतार होता है। नराकार कथा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि देवकी बासुदेव पर हो रहे अत्याचारों को देखकर भगवान ने देवकी के अष्टम पुत्र के रूप में अवतार लिया। जब भगवान बाल रुप् मे हुए और बसुदेव जी ने उन्हें गोद मे लिया तो वासुदेव जी की हथकड़ी बेड़ी अपने आप ही टूट गई और प्रहरी सो गए, पूरा कारागार शांत हो गया, चारों ओर शांति छा गई, यमुना पार करके बाल.ष्ण को नन्द बाबा के यंहा पहुँचाया और वहां उसी समय भगवान की माया ही कन्या रूप में अवतार ले कर आई है, जिसे लेकर वासुदेव जी कारागार में आये और कन्या के कारागार में पहुँचते ही कन्या जोर जोर से रोने लगी, सारे प्रहरी जग गए, हो हल्ला मच गया, कंस ने मारना चाहा, कन्या आकाश में उड़ गई। आकाशवाणी किया कंस तुम्हे मारने वाला ब्रज में जन्म ले चुका है और वही देवी रुपी कन्या विंध्याचल पर्वत पर जाकर विंध्यवासिनी के नाम से प्रतिष्ठित हुई। अंत मे इस कथा का आशय बताते हुए महराज जी ने कहा ज़ब हम भगवान को पा लेते हैं, सामाजिक पारिवारिक बंधन से हम मुक्त हो जाते हैं और जीवन मे शांति छा जाती है, लेकिन जब हम माया को पकड़ते हैं तो पारिवारिक सामाजिक बंधन रुपी हथकड़ी, वेड़ी पड़ा जाती है। सुन्दर सुन्दर भजन सुनकर श्रोता झूम उठे। इस अवसर पर मुख्य यजमान पवन कुमार मिश्र, जिला जज मोटर दावा दुर्घटना अधिकरण गाजीपुर संजय हरि शुक्ल, सदर विधायक भूपेश चौबे, विनोद चौबे, महेंद्र प्रसाद शुक्ल एडवोकेट, राजेश कुमार पाठक एडवोकेट, डॉ सुरेश गुप्ता सहित भक्तगण,माताएं, बहनें, बच्चे मौजूद रहे।

जनपद के 04 जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों/ राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय में प्रवेश प्रारम्भ'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया ने अवगत कराया है कि जनपद में चार जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों पूर्वनाम राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय 1. उरमौरा, रावगंज, 2. घोरावल 3. गुरमुरा ओबरा एवं 4. दुद्धी, सोनभद्र में शैक्षिक सत्र 2026–27 में कक्षा 6, 7, 8, एवं 9 में रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु परीक्षा सम्पन्न कराये जाने व कक्षा 11 में रिक्त सीटों पर कक्षा 10 में प्राप्तांक पर आधारित मेरिट लिस्ट तैयार कर प्रवेश कराया जाना है आवेदन प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 20.02.2026 तक, परीक्षोपरान्त पात्र आवेदको की सूची प्रकाशन तिथि 25.02.2026, प्रवेश परीक्षा आयोजन की तिथि 15.03.2025, सफल छात्रों की सूची का प्रकाशन एवं प्रवेश प्रक्रिया प्रारम्भ 23.03.2026 तक है। शासन के निर्देशानुसार रिक्त सीटों को 60 प्रतिशत अनुसूचित जाति/जनजाति, 25 प्रतिशत अन्य पिछड़ा वर्ग एवं 15 प्रतिशत सामान्य वर्ग के छात्र/छात्राओं के लिए प्रवेश की व्यवस्था है। चारों जय प्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालयों में कक्षा 6, 7, 8, 9 एवं 11 में रिक्त सीटों पर प्रवेश हेतु इच्छुक अभिभावक अपने पाल्य हेतु आवेदन–पत्र सम्बन्धित विद्यालय से प्रत्येक कार्य दिवस में प्राप्त कर सकते है अथवा वेबसाइट **https:èèats.upsdc.gov.in** पर आनलाइन आवेदन कर प्रवेश पत्र सम्बन्धित विद्यालय से 25.02.2026 को प्राप्त कर सकते है।

जिला सतर्कता समिति की बैठक संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला सतर्कता समिति की बैठक शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिलाधिकारी ने अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से संबंधित मामलों की समीक्षा करते हुए विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की, जिलाधिकारी ने समिति के सदस्यों को निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप पात्र लाभार्थियों को समय से लाभ पहुंचाना शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति से संबंधित जो भी मुकदमे दर्ज हुए हैं, उनसे जुड़े सभी पात्र लाभार्थियों को देय सहायता राशि का भुगतान निर्धारित समय अवधि के भीतर सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकरण में अनावश्यक विलंब न हो तथा लंबित मामलों की त्वरित कार्रवाई करते हुए भुगतान की प्रक्रिया तत्काल पूर्ण की जाए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि प्रत्येक प्रकरण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और भुगतान से संबंधित प्रगति रिपोर्ट समय–समय पर प्रस्तुत की जाए, जिससे पारदर्शिता बनी रहे। उन्होंने कहा कि यदि किसी स्तर पर लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला, जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया, अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, समिति के सदस्य, सहित अन्य संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

जनगणना की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी ने अधिकारियों के साथ की बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनगणना की तैयारियों को लेकर जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने शुक्रवार को कलेक्ट्रेट सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में आगामी जनगणना कार्य को पूरी तरह डिजिटल माध्यम से संपादित किए जाने पर विस्तृत चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनगणना कार्य से जुड़े सभी मास्टर ट्रेनर एवं गणना में लगाए जाने वाले अधिकारियों/कर्मचारियों का प्रशिक्षण समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण ढंग से पूर्ण किया जाए, ताकि कार्य के दौरान किसी प्रकार की कठिनाई न आए। जिलाधिकारी ने कहा कि डिजिटल जनगणना के सफल क्रियान्वयन के लिए तकनीकी संसाधनों की उपलब्धता, इंटरनेट कनेक्टिविटी तथा उपकरणों की अग्रिम जांच सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों का कैलेंडर तैयार कर सभी संबंधितों को समय रहते सूचित किया जाए, जिससे प्रत्येक कार्मिक को ऐप एवं सॉटवेयर के उपयोग की पूर्ण जानकारी हो सके। बैठक में जिलाधिकारी ने जनगणना कार्य हेतु एक अलग कक्ष स्थापित किए जाने के निर्देश भी दिए, जिससे जनगणना से संबंधित व्यय एवं संसाधनों का समुचित प्रबंधन किया जा सके। उन्होंने कहा कि जनगणना एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य है, सभी विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें और निर्धारित समय–सीमा के भीतर सभी तैयारियां पूर्ण कर लें। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला, जिला अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी श्री मूकल आनन्द पाण्डेय, जिला अर्थ संख्या अधिकारी संतपाल वर्मा, जिला पूर्ति अधिकारी ध्रूव गुप्ता, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:- श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स, ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं मकान नं. 203 निकट बी.एस.एन.एल. टावर खलवा मोहल्ला, नगर पालिका परिषद बलरामपुर, जनपद- बलरामपुर, उ0प्र0-271201 से प्रकाशित । आर.एन.आई. नं0- UPHIN/2021/86502 । सम्पादक- राजेश कुमार शर्मा

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

चिरंजीवी की फिल्म मन शंकर वर प्रसाद गारू ने हासिल की ऐतिहासिक सफलता, 25 दिनों में वर्ल्डवाइड 375 करोड़ की कमाई की

चिरंजीवी की माना शंकरा वरा प्रसाद गारू एक बहुत बड़ी बॉक्स ऑफिस सक्सेस बनकर उभरी है, जो रीजनल इंडस्ट्री की ऑल टाइम हिट बन गई है। फिल्म ने सिर्फ 25 दिनों में दुनिया भर में कुल 375 करोड़ रुपये का ग्रॉस कलेक्शन किया है, जिससे यह चिरंजीवी के साथ–साथ रीजनल सिनेमा की भी सबसे बड़ी ब्लॉकबस्टर बन गई है। यह उपलब्धि कमाल की है, खासकर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना दोनों मार्केट में फिल्म के जबरदस्त परफॉर्मेंस को देखते हुए, जिसने तीसरे और चौथे हफ्ते में भी लगातार कलेक्शन बनाए रखा। इस फिल्म में नयनतारा, वेंकटेश एक एक्सटेंडेड कैमियो में और दूसरे जाने–माने कलाकार हैं, जिसे साहू गरापति और सुष्मिता कोनिडेला ने शाइन स्क्रीन्स और गोल्ड बॉक्स एंटरटेनमेंट्स बैनर के तहत प्रोड्यूस किया है। भीम्स सेसिरोलियो ने म्यूजिक दिया है। माना शंकरा वरा प्रसाद गारू की सफलता का श्रेय इसकी दिल को छू लेने वाली फैमिली एंटरटेनर कहानी को जाता है, जिसमें हाई ऑक्टेन मास एलिमेंट हैं, जो मेगास्टार के लिए एकदम सही हैं।

माना शंकर वर प्रसाद गारू ने बॉक्स ऑफिस के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, 25 दिनों में 375 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर लिया है। फिल्म ने पहले दिन 65 करोड़ रुपये कमाए, जिसमें से 44. 75 करोड़ रुपये भारत से और +2.3 मिलियन अंतरराष्ट्रीय क्षेत्रों से आए। पहले सात दिनों के बाद, इसने दुनिया भर में 292 करोड़ रुपये कमाए, जिससे यह एक सर्टिफाइड ब्लॉकबस्टर बन गई।

फिल्म के डिजिटल स्ट्रीमिंग राइट्स जी5 ने खरीद लिए हैं, जिसके 11 फरवरी, 2026 से प्लेटफॉर्म पर लाइव होने की उम्मीद है। कलेक्शन अभी भी बढ़ रहा है, माना शंकर वर प्रसाद गारू तेलुगु सिनेमा के लिए नए बेंचमार्क सेट कर रहे हैं, यह साबित करते हुए कि क्षेत्रीय तेलुगु सिनेमा सिर्फ कंटेंट और स्टार पावर के दम पर बड़े बॉक्स ऑफिस नंबर हासिल कर सकता है।

फिल्म द केरल स्टोरी 2–गोज बियॉन्ड का पहला गाना साथी रे रिलीज, सुरों संग टपकी गम और रोमांस की चासिनी

द केरल स्टोरी 2 – गोज बियॉन्ड का टीजर रिलीज हो चुका है। नेशनल अवॉर्ड विनिंग डायरेक्टर कामख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी यह फिल्म तीन हिंदू लड़कियों की परेशान करने वाली कहानी दिखाती है, जिनका किरदार उल्का गुप्ता, ऐश्वर्या ओझा और अदिति भाटिया निभा रही हैं। तीन मुस्लिम लड़कों के साथ रिश्ते में आने के बाद उनकी जिंदगी धीरे–धीरे अंधेरे में चली जाती है। जो कहानी प्यार से शुरू होती है, वो आगे चलकर धर्म परिवर्तन से जुड़ी एक साजिश की डरावनी सच्चाई खोलती है। इसी दुनिया की एक और झलक देते हुए फिल्म का पहला गाना साथी रे अब रिलीज हो चुका है।

द केरल स्टोरी 2 – गोज बियॉन्ड का पहला गाना श्साथी रेश्च लड़की के प्यार, उसके जज्बातों, किसी के लिए अपनी दुनिया छोड़ देने और आखिर में धोखे व दर्द का सामना करने की कहानी को दिखाता है। फिल्म की थीम को बरकरार रखते हुए इस गाने में तीन मेल लीड्स की भी एंट्री होती है, उल्का गुप्ता के अपोजिट सुमित गहलावत, ऐश्वर्या ओझा के साथ अर्जन औजला और अदिति भाटिया के साथ युक्तम खोसला नजर आते हैं। श्साथी रेश्च को विशाल मिश्रा ने आवाज दी है, इसके बोल मनोज मुंतशिर ने लिखे हैं और म्यूजिक मन्नन शाह ने कंपोज किया है।

श्द केरल स्टोरीश्च के जबरदस्त असर के बाद जिसने अपनी बेबाक कहानी से पूरे देश को झकझोर दिया था, इसका सीक्वल और भी आगे जाने का वादा करता है। कामख्या नारायण सिंह के निर्देशन में बनी श्द केरल स्टोरी 2 – गोज बियॉन्ड्श्च को विपुल अमृतलाल शाह ने प्रोड्यूस किया है, जबकि आशिन ए शाह ने सनशाइन पिक्चर्स के बैनर तले इसे को–प्रोड्यूस किया है। फिल्म 27 फरवरी 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अपने आप से लड़कर मैंने खुद को पाया है, मेधा राणा ने जिंदगी में आए बदलाव को किया साझा

फिल्मी दुनिया में कई कलाकार ऐसे होते हैं, जो कैमरे के सामने तो मजबूत दिखाई देते हैं, लेकिन उनके भीतर एक लड़ाई

चल रही होती है। हाल ही में रिलीज हुई फिल्म बॉर्डर 2 के जरिए चर्चा में आई अभिनेत्री मेधा राणा भी उन्हीं कलाकारों में से एक हैं, जिन्होंने अपने अंदर चल रहे सवालों, असमंजस और आत्मसंदेह की जंग को जीतकर अपने ऊपर भरोसा करना सीखा और इस मुकाम तक का सफर तय किया। मेधा राणा ने कहा, साल 2022 से लेकर अब तक उनके भीतर सबसे बड़ा बदलाव आत्मस्वीकृति और आत्मविश्वास का रहा है। शुरुआत में मैं खुद को लेकर बहुत उलझन में रहती थीं। मुझे अक्सर लगता था कि शायद मैं इस इंडस्ट्री के लिए बनी ही नहीं हूं। ऐसे विचार मुझे भीतर से कमजोर बनाते थे और आगे बढने में बाधा भी बनते थे।

उन्होंने कहा, जब मैंने मनोरंजन जगत में काम करना शुरू किया, तो शुरुआती दिन बेहद कठिन थे। मैं लगातार खुद पर शक करती थी और अपने फैसलों को लेकर आश्वस्त नहीं थी। इस असमंजस से बाहर निकलने में मुझे काफी समय लगा। इंडस्ट्री को समझना, अपने आप को पहचानना और हालात को स्वीकार करना एक लंबी सीख की प्रक्रिया रही।

मेधा ने कहा, मैंने अपने आप से लड़कर खुद को पाया है। अब मैं खुद को पहले से ज्यादा स्वीकार करने लगी हूं। मैं अपनी कमियों और खूबियों दोनों को समझती हूं और उन्हें लेकर सहज हूं। यही स्वीकार्यता मेरे आत्मविश्वास की सबसे बड़ी वजह बनी है। मेधा राणा ने कहा, फिल्म बॉर्डर 2 मेरे करियर का एक अहम मोड़ साबित हुई है। इस फिल्म का हिस्सा बनने के बाद और दर्शकों से मिली प्रतिक्रिया ने मेरे भीतर एक नया भरोसा पैदा किया। जब किसी कलाकार को उसके काम के लिए सराहना मिलती है, तो वह खुद पर यकीन करने लगता है। बॉर्डर 2 के अनुभव ने मुझे यह एहसास दिलाया कि मैं अपने हुनर में सक्षम हूं और मेहनत रंग ला सकती है।

उन्होंने कहा, अब मैं खुद को लेकर ज्यादा आश्वस्त महसूस करती हूं। अपने अभिनय कौशल और फैसलों पर मेरा भरोसा बढ़ा है। यह आत्मविश्वास मेरे जीवन की अब तक की सबसे बड़ी ग्रोथ है, जो मुझे आगे और बेहतर काम करने की प्रेरणा देता है।

अब बड़े पर्दे पर दहाड़ेंगे कालीन भैया, भौकाली अंदाज में होगी मुन्ना–गुड्डू की वापसी, मिर्जापुरः द मूवी की रिलीज तारीख जारी

मिर्जापुर उन चुनिंदा वेब सीरीज में शामिल है, जिसने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर कदम रखते ही दर्शकों के बीच जबरदस्त सनसनी फैला दी और तगड़ा फैन बेस बना लिया। गालियों से भरे डायलॉग्स, सत्ता की अंधी भूख, खून–खराबे और बेहद दमदार किरदारों ने इस शो को कुछ ही समय में एक कल्ट पहचान दिला दी। हर सीजन के साथ इसकी लोकप्रियता लगातार बढ़ती गई और ओटीटी पर इसने रिकॉर्डतोड़ व्यूअरशिप हासिल की। दर्शकों के इस अपार प्यार और क्रेज को देखते हुए अब मेकर्स ने श्मिर्जापुरश्च की कहानी को बड़े पर्दे पर लाने का बड़ा फैसला लिया है। बहुत जल्द श्मिर्जापुररू द फिल्म्श्च सिनेमाघरों में रिलीज होकर वही भौकाल मचाने वाली है, जिसके लिए यह सीरीज जानी जाती है। अब मेकर्स ने इसकी रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है।

अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सल एंटरटेनमेंट की सबसे बड़ी और फैन–फेवरेट फ्रैंचाइजी श्मिर्जापुरश्च को पहली बार सिनेमाघरों में ला रहे हैं। यह फिल्म मिर्जापुर यूनिवर्स की एक अनसुनी कहानी दिखाएगी। एक्सल एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी इस फिल्म को रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है, जबकि कासिम जगमगिया और विशाल रामचंदानी को–प्रोड्यूसर हैं। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है। भारत की सबसे आइकॉनिक ओटीटी फ्रैंचाइजी अब बड़े पर्दे पर आने के लिए तैयार है। मेकर्स ने आज मिर्जापुररू द मूवी की थिएट्रिकल रिलीज डेट का ऐलान कर दिया है। ये फिल्म 4 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

फिल्म दर्शकों को उसी रॉ और दमदार दुनिया में ले जाएगी, लेकिन इस बार पहले से कहीं ज्यादा बड़े स्केल पर। पंकज त्रिपाठी के कालीन भैया, अली फजल के गुड्डू पंडित के साथ–साथ दिव्येंदु के मुन्ना भैया की भी बहुप्रतीक्षित वापसी हो रही है। पहली बार मिर्जापुर की कल्ट कहानी सिनेमाघरों में उतरेगी और इस तरह से अपने फैंस को एक जबरदस्त बिग–स्क्रीन अनुभव देने वाली है। फिल्म में इसके अलावा जितेंद्र कुमार, रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुग्गल, श्वेता त्रिपाठी, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता गौर, सुशांत सिंह, मोहित मलिक, शीबा चड्ढा, राजेश तैलंग, कुलभूषण खरबंदा और सोनल चौहान जैसे कलाकार भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। अमेजन एमजीएम स्टूडियोज और एक्सल एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत, एक एक्सल एंटरटेनमेंट प्रोडक्शन श्मिजार्पुररू द मूवीश्च का निर्देशन गुरमीत सिंह ने किया है और कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है। यह फिल्म 4 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने के लिए तैयार है।

फिल्म की कहानी को लेकर फिलहाल मेकर्स ने कोई ठोस जानकारी साझा नहीं की है। हालांकि इंडस्ट्री से जुड़ी रिपोर्ट्स की मानें तो यह प्रोजेक्ट या तो वेब सीरीज की शुरुआत की कहानी यानी प्रीक्वल हो सकता है या फिर उसी टाइमलाइन में घटने वाली किसी बेहद अहम घटना पर आधारित होगा। इतना तय माना जा रहा है कि फिल्म का स्केल सीरीज के मुकाबले कहीं ज्यादा बड़ा और भव्य होगा। सत्ता की जंग, खून–खराबा और मिर्जापुर की गद्दी के लिए एक नया, पहले से ज्यादा खतरनाक खेल दर्शकों को देखने को मिल सकता है। बड़े पर्दे के लिए मिर्जापुर की दुनिया को और भी रॉ, इंटेंस और सिनेमैटिक अंदाज में पेश करने की पूरी तैयारी की जा रही है।

रोजाना सुबह 9 बजे से पहले कर लें ये 5 काम, सारा दिन बने रहेंगे ऊर्जावान

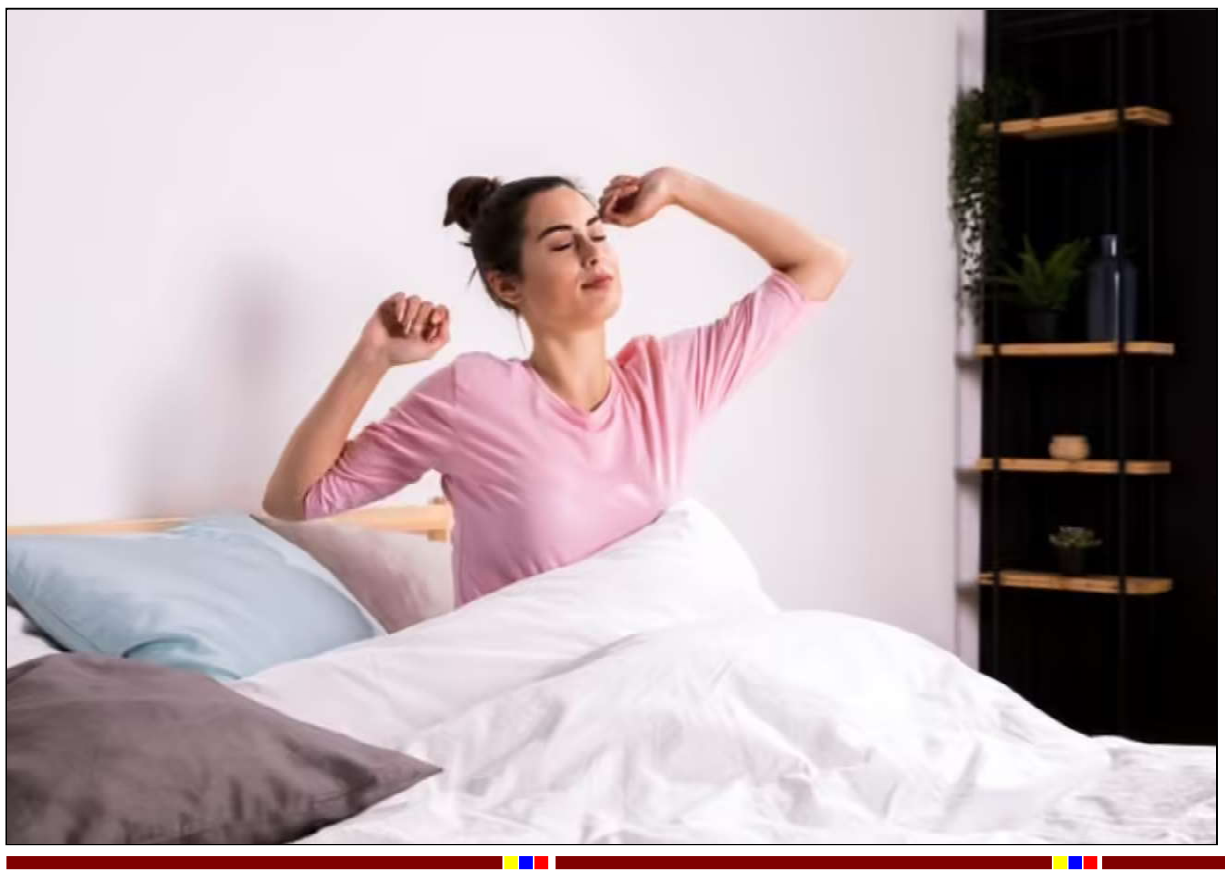

सुबह का समय एक नई शुरुआत का प्रतीक होता है। अगर आप चाहते हैं कि आपका दिन सफल और उत्पादक रहे तो सुबह जल्दी उठने की आदत डालें। उठने के बाद आपको कुछ ऐसा काम करने चाहिए, जो आपको सारा दिन ऊर्जावान बनाए रखें। ये काम न सिर्फ आपके मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाएंगे, बल्कि आपको पूरे दिन तारोताजा महसूस करवाएंगे। रोजाना सुबह 9 बजे से पहले ये 5 काम करने से आपकी उत्पादकता बढ़ेगी।

ध्यान लगाएंः ध्यान लगाना अपने मन को शांत रखने का एक बहुत ही अच्छा तरीका है। यह न केवल तनाव कम करता है, बल्कि एकाग्रता क्षमता को भी बढ़ाता है। सुबह 5–10 मिनट तक ध्यान लगाने से आपका मन तरोताजा रह सकता है और आप पूरे दिन बेहतर प्रदर्शन कर सकते हैं। इसके साथ आप हल्का संगीत भी सुन सकते हैं, जिससे आपका मूड सुबह से ही अच्छा हो जाएगा और आपको पूरे दिन चिड़चिड़ाहट महसूस नहीं होगी।

पानी पिएंः सुबह उठते ही सबसे पहले एक गिलास पानी पीना चाहिए। यह आपके शरीर को तरोताजा करता है और पाचन तंत्र को सक्रिय करता है। पानी पीने से शरीर में ऊर्जा का संचार होता है और आप हाइड्रेटेड महसूस करते हैं। इसके अलावा यह त्वचा को भी निखारता है और शरीर की रोगों से लड़ने की क्षमता को मजबूत करता है। आप चाहें तो गर्म पानी का भी सेवन कर सकते हैं, जो वजन घटाने में भी मददगार होगा।

एक्सरसाइज करेंः सुबह–सुबह हल्की एक्सरसाइज करना फायदेमंद साबित होता है। इससे शरीर सक्रिय हो जाता है और मस्तिष्क भी तरोताजा महसूस करता है। आप योग या स्ट्रेचिंग कर सकते हैं और थोड़ी देर सैर पर जा सकते हैं। इससे शरीर का रक्त संचार बेहतर होता है और आप पूरे दिन ऊर्जावान बने रह सकते हैं। इसके अलावा यह आदत मानसिक शांति भी देती है और तनाव को कम करती है। नियमित एक्सरसाइज से आपकी सेहत में सुधार आएगा और आलस कम होगा।

नाश्ता करेंः नाश्ता दिन का सबसे जरूरी भोजन माना जाता है। इससे शरीर को पूरे दिन के लिए जरूरी ऊर्जा मिलती है और चयापचय बेहतर रहता है। नाश्ते में फल, दलिया या पोहा जैसे पौष्टिक खाद्य पदार्थों का ही सेवन करें, ताकि आपका शरीर जरूरी पोषक तत्व प्राप्त कर सके। कभी भी नाश्ता स्किप करने की गलती न करें, नहीं तो आपको पूरे दिन थकान महसूस होती रहेगी। अगर समय कम हो तो केवल एक गिलास स्मूदी ही पी लें।

अपनी प्राथमिकताएं तय करेंः सुबह–सुबह ही अपनी दिनभर की प्राथमिकताएं तय कर लें। इससे आपको पता रहेगा कि कौन–सा काम पहले करना जरूरी है और कौन–सा बाद में। इससे आपका समय बर्बाद नहीं होगा और आप ज्यादा उत्पादक रहेंगे। आप एक सूची बना सकते हैं या अपने मोबाइल ऐप का उपयोग कर सकते हैं, ताकि सब कुछ व्यवस्थित रहे। इस आदत से आपका दिन सफल और संतुलित रहेगा, जिससे आप अपने लक्ष्यों को आसानी से हासिल कर सकेंगे।